हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 218, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 24 जनवरी, 2022 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

सपा सबसे पहले अपना बंगला बनाती थी और माफिया जमीनों पर करते थे कब्जा : सीएम योगी

यूपी चुनाव 2022: भाजपा सरकार ने जो वादे किए वह पांच साल में पूरे हो गए – मुख्यमंत्री

गाजियाबाद। यूपी में जैसे जैसे मतदान की तिथि नजदीक आने लगी है। वैसे ही राजनीतिक दलों ने भी अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है। रविवार को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ गाजियाबाद पहुंचें और कई जगह कोरोना प्रोटोकाल को ध्यान में रखते हुए सभा की। साहिबाबाद विधायक और बीजेपी के अन्य नेताओं ने उनका अभिनंदन किया। राजीव कालोनी में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश व प्रदेश में भाजपा सरकार ने जो वादे किए थे वह पांच साल में पूरे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका से अगर तुलना करें तो अमेरिका की आबादी 33 करोड़ है उसके बावजूद भारत से दोगुनी मौतें कोरोना से हुईं हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के नेता जब ट्विटर पर लोगों को गुमराह कर रहे थे उस समय पीएम मोदी हार्य लेब्रोट्री में जाकर वैक्सीन का निर्माण करवा रहे थे। लोगों को फ्री में टेस्ट, फ्री में उपचार, फ्री में वैक्सीन, फ्री में राशन देने का दायित्व हमने उठाया और हर व्यक्ति के साथ खड़े रहे और जो व्यक्ति संकट का साथी नहीं बन सका तो अब कैसे आप उन्हें चुनाव का साथी चुनेंगे। मित्र और शत्रु की पहचान करने का समय आ गया है। देश के प्रति जो सही सोच रखे उसे आगे बढ़ाना होगा। प्रदेश में पांच साल पहले भय का माहौल था और बेटियां बाहर निकलने से डरती थीं। हर दूसरे दिन दंगा होता था। माफिया जमीनों पर कब्जा करते थे। शासन की योजनाओं का लाभ गरीबों को नहीं मिल पाता था। आज अपराधियों की हिम्मत नहीं कि किसी संभ्रांत नागरिक की जमीन पर कब्जा कर ले, अगर करेगा तो बुलडोजर चलेगा। पहले गरीबों का अन्न बांग्लादेशियों को मिलता था। आज 5 लाख का

स्वास्थ्य बीमा दिया जा रहा है। वृद्ध, विधवाओं को 1 हजार रुपये की पेंशन दी जा रही है। सपा सबसे पहले अपना बंगला बनाती थी। योगी सरकार ने 43 लाख लोगों को आवास और शौचालय दिया। एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट दिया। फिल्मसिटी अब मुम्बई नहीं गौतमबुद्ध नगर जाना जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो आज कह रहे हैं 300 यूनिट फ्री बिजली देंगे उनके समय मे बिजली आती ही नहीं थी। लोगों की आंखों में धूल झोंक रहे हैं ये फ्री बिजली का वादा करने वाले। ये युवाओं को टेबलेट का वादा कर रहे हैं। जब पुरानी पेंशन रोकी गयी तो उनके अब्बा जान सीएम थे। उस समय 4 वर्ष वो मुख्यमंत्री रहे, उंसके बाद 5 वर्ष उनके बेटे मुख्यमंत्री रहे लेकिन तबतक सरकारी कर्मचारियों के पेंशन अकॉउंट तक नहीं थे। जब भाजपा सरकार आई तो इसकी जांच की और अब न्यू पेंशन स्कीम के तहत लाभ मिल रहा है या नहीं। इसके बाद उनके एकाउंट खुलवाए गए। कोरोना काल मे सरकारी कर्मचारी के वेतन में कोई कटौती नहीं कि गयी। लेकिन जिन लोगों ने दंगों की राजनीति की आज वो उसी तरह के लोगों को टिकट दे रहे हैं। सपा ने कोरोना से पलायन करवाने वाले को टिकट दिया। सपा ने लोनी, मुरादाबाद, अमरोहा, मेरठ में कैसे लोगों को टिकट दिया वो सभी लोग भलीभांति जानते हैं। भाजपा में सभी तबकों का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रवादियों को टिकट दिए हैं। जिस तरह से भाजपा को जनता का आशीर्वाद मिला, भाजपा ने राष्ट्रवाद और सुरक्षा के मॉडल पर काम किया। पिछली सरकार में कांवड़ यात्रा रोकी जाती थी, हमने यात्रा को सुरक्षा दी और फूल बरसाए। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर लोगों के चेहरे पर खुशी है। साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारी चल रही है। सभा के लिए पंडाल लगा है और लोग बेसब्री से उनका इंतजार कर रहे थे, कई जगह सीएम पर कालोनी के लोगों ने फूल बरसाएं हैं।

योगी को देखने का लोगों में उत्साह, छतों पर भीड़– मोहन नगर के राजीव कालोनी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देखने के लिए लोगों में उत्साह दिख रहा है। सुबह से ही बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक नए कपड़े पहनकर घर के सामने व छतों से इंतजार कर रहे हैं। जिन लोगों का घर कालोनी में अंदर है वह भी सड़क किनारे बने घरों के सामने आ गए हैं। कॉलोनी के सभी चोराहे और आसपास योगी के आने की चर्चा सुनाई पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इलाके में ऐसा पहली बार हो रहा है कि मुख्यमंत्री को देखने के लिए लोग छतों पर चढ़ गए हैं । यहां सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस ने कड़े इंतजाम किए हैं। कोई माह ऐसा नहीं बीतता जब यहां के जनप्रतिनिधि विकास के लिए मेरे पास लखनऊ न आते हों। यही कारण है कि गजियाबाद मॉडल शहर बन गया है। कानून का राज हो, हिस्ट्रीशीटर थानों के संचालन न हो, दंगाइयों को सजा मिले, तुष्टिकरण की राजनीति न हो, सरकारी भर्ती में पारदर्शिता रहे, बिजली 24 घण्टे मिले, एक्सप्रेसवे रफ्तार बनते रहें, बहन बेटियां सुरक्षित रहें, कोरोना महामारी का सही प्रबंधन हो, निवेश आता रहे, रोजगार मिलता रहे। इन सब बातों के लिए भाजपा आवश्यक है।

राष्ट्र को बचाना है तो पूरे दम से भाजपा को फिर बहुमत से सत्ता में लाना जरूरी : अपर्णा

लखनऊ। राष्ट्र को बचाना है तो पूरे दम से भारतीय जनता पार्टी को फिर एक बार बहुमत से सत्ता में लाना है। ये बातें रविवार को भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाली अपर्णा यादव ने कहीं। राजधानी लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में महिला मोर्चा की ओर से स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव, रायबरेली सदर से चुनाव लड़ने वाली अदिति सिंह और प्रियंका मौर्या का स्वागत किया गया। हाल फिलहाल में भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाली अपर्णा यादव ने कहा कि मैंने राष्ट्रवाद के कारण भारतीय जनता पार्टी को चुना है। भारतीय जनता पार्टी ने देश को विकास की राह पर तेजी से बढ़ाने के साथ ही देश में संस्कारों को सिंचित करने का काम किया है। उन्होंने कहा नव भारत के नव निर्माण के इस संकल्प में मैं आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस संकल्प में रंग भरने का काम करूंगी। उन्होंने कहा कि आगे आगे विचार चलते हैं और यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी के विचारों के कारण आज मैं इस पार्टी का हिस्सा हूं।

योगी सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं से महिलाएं हुई सशक्त अदिति सिंह : रायबरेली सदर से चुनाव लड़ने वाली अदिति सिंह ने कहा कि बीजेपी ने अपने पूरे कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में महिला केंद्रित योजनाओं को लागू कर महिलाओं की जिंदगी में नए रंग भरे हैं। महिला केंद्रित योजनाओं का लाभ पाकर महिलाएं सशक्त हुईं हैं। योगी सरकार ने उज्जवला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्वयं सहायता समूह, राष्ट्रीय आजीविका मिशन समेत दूसरी कई कल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें जो महिलाओं के लिए योजना लागू करना तो दूर उनके हित की बात नहीं करती थी। इससे इतर बीजेपी ने महिलाओं के हक की बात करते हुए विशेष योजनाओं से लाभान्वित कर उनको समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का काम भी किया।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र का ट्विटर अकाउंट हैक

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र का ट्विटर अकाउंट रविवार को हैक कर लिया गया। रविवार सुबह 11:28 बजे राज्यपाल के ट्विटर हैंडल से अरबी भाषा में ट्वीट किया गया था। साथ में एक इमोटिकान भी पोस्ट किया गया, जिसमें किस आफ लव साइन दे रहा है। अरबी में किए गए ट्वीट का मतलब है- गुड मार्निंग, आपके चाचा स्पूकी और हायब्रिड आपको दुआ देते हैं। राज्यपाल का ट्विटर अकाउंट हैक होते ही जयपुर कमिश्नरेट पुलिस हरकत में आ गई। राजभवन की तरफ से इस बारे में शिकायत की गई है। साइबर विशेषज्ञ राज्यपाल के ट्विटर अकाउंट को हैकर से वापस रिकवर करने की कोशिश में जुटे हैं। यह जानकारी भी जुटाई जा रही है कि अकाउंट किसने हैक किया है। गौरतलब है कि इससे पहले पीएम नरेन्द्र मोदी का ट्विटर अकाउंट भी हैक कर लिया गया था। प्रधानमंत्री मोदी के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट को हैक करने के बाद हैकर्स ने बिटक्वाइन से संबंधित ट्विट भी किए थे।

सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा लगाए जाने पर अर्जुन मेघवाल ने पीएम मोदी को किया धन्यवाद, 2010 में किया था अनुरोध

नई दिल्ली। आज सारा देश महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मना रहा है। पिछले दिनों ही केंद्र सरकार ने इंडिया गेट पर सुभाष चंद्र बोस की

भव्य प्रतिमा लगाए जाने की बात कही है। इसी को लेकर आज केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, 'संसद में 15वीं लोकसभा के दौरान 15 मार्च 2010 को जार्ज पंचम की मूर्ति की जगह किसी भारतीय महापुरुष की मूर्ति की स्थापना हेतु अनुरोध किया था। मैं पीएम नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद देता हूँ की आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया जा रहा है।' यह बात उन्होंने लोकसभा की एक पुरानी कार्यवाही का ट्विटर पर वीडियो शेयर करके कही है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आज 125वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इंडिया गेट पर उनकी होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण करेंगे। पीएम मोदी ने शुक्रवार को इंडिया गेट पर सुभाष चंद्र बोस की ग्रेनाइट से बनी भव्य प्रतिमा लगाए जाने का ऐलान किया था।

पीएम ने यह भी कहा था कि जब तक वो प्रतिमा तैयार नहीं हो जाती तब तक उस जगह पर नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा मौजूद रहेगी। पीएम मोदी आज शाम को इस होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण करेंगे। प्रधानमंत्री ने आज इस अवसर पर ट्वीट कर नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए पीएम मोदी से 23 जनवरी को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की अपील की है। ममता बनर्जी ने कहा है कि पूरे देश के लोग अपने महान राष्ट्रनायक को श्रद्धांजलि दें, इसके लिए जरूरी है कि नेताजी जन्मदिवस के दिन राष्ट्रीय छुट्टी हो।

प्रधानमंत्री मोदी ने सेंट्रल हॉल में नेताजी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देशभर में आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें संसद भवन के सेंट्रल हॉल में श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इससे पहले सुबह प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उन्होंने सभी देशवासियों को पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं भी दी। पीएम ने कहा कि प्रत्येक भारतीय को हमारे राष्ट्र के लिए नेताजी के महत्वपूर्ण योगदान पर गर्व है।

प्रधानमंत्री आज इंडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा का करेंगे अनावरण– नेताजी की 125वीं जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी आज इंडिया गेट पर उनकी होलोग्राम प्रतिमा का भी अनावरण करेंगे। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने शुक्रवार को ऐलान किया था कि इंडिया गेट पर सुभाष चंद्र बोस की ग्रेनाइट से बनी भव्य प्रतिमा लगाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान यह भी बताया था कि जब तक वो प्रतिमा तैयार नहीं हो जाती तब तक उस जगह पर नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा मौजूद रहेगी। पीएम मोदी आज शाम को इस होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण करेंगे। बता दें कि नेताजी की राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा का सम्मान करने और उन्हें याद करने के लिए, भारत सरकार ने हर साल 23 जनवरी को उनके जन्मदिन को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है।

राजपथ पर फुल ड्रेस रिहर्सल में दिखी सैन्य ताकत की झलक, कई रास्तें व मेट्रो स्टेशन बंद

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस से पहले राजपथ पर फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। परेड का आगाज सुबह 10:20 बजे विजय चौक से हुआ, इसके बाद परेड राजपथ व इंडिया गेट से होते हुए नेशनल स्टेडियम तक गई। इस दौरान आस-पास की सड़कों से ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया। साथ ही दिल्ली पुलिस ने फुल ड्रेस रिहर्सल को देखते हुए ट्रैफिक एडवाइजरी भी जारी की, आदेश के अनुसार, दिल्ली ट्रैफिक ने लोगों को सलाह दी है कि फुल ड्रेस रिहर्सल वाले दिन राजपथ पर आने से बचें। इसके अलावा केन्द्रीय सचिवालय और उद्योग भवन मेट्रो स्टेशनों में प्रवेश व निकास बंद रहेगा। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने फुल ड्रेस रिहर्सल को देखते हुए इससे पहले शहर में ड्रोन के इस्तेमाल पर रोक समेत जनता के लिए विस्तृत गाइडलाइन जारी की थी। परेड के मार्ग पर यातायात की आवाजाही को प्रतिबंधित किया गया

है। पुलिस की एडवाइजरी के मुताबिक, 23 जनवरी की फुल ड्रेस रिहर्सल को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने 22 जनवरी को रात 11 बजे के बाद विजय चौक, रफी मार्ग, जनपथ आदि मार्गों को बंद कर दिया था। 23 जनवरी को सुबह 9.15 बजे से लेकर परेड खत्म होने ये मार्ग पूरी तरह बंद करने का आदेश जारी किया गया था। बता दें कि, पिछले साल की तरह इस साल भी कोविड प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए परेड नैशनल स्टेडियम पर ही खत्म कर दी जाएगी, और मार्चिंग दस्ते लाल किले तक नहीं जाएंगे। केवल झांकियों को ही लाल किले के बाहर स्थित सुभाष मैदान तक ले जाया जाएगा। इससे पहले परेड रूट 8.3 किलोमीटर होता था, वो अब घटकर 3.3 किलोमीटर ही रह गया है। कोरोना काल से पहले सवा लाख लोग परेड देखते थे, जिन्हें कोविड के चलते साल 2021 में घटाकर 25 हजार कर दिया गया था। इस बार भी दर्शकों की संख्या कम ही होगी। जो लोग गणतंत्र दिवस परेड देखने आएंगे उनका टेम्प्रेचर चेक किया जाएगा।

भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 3.33 लाख केस मिले, 525 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में लगातार दूसरे दिन गिरावट देखने को मिली है। 24 घंटे में कोरोना के 3,33,533 नए मामले आए हैं। कल के मुकाबले इसमें 4,171 केसों की कमी आई है। अब कोरोना के कुल एक्टिव केसों की संख्या 21,87,205 हो गई है। पोजिटिविटी दर की बात की जाए तो यह भी 17.78 फीसद पर आ गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में 2,59,168 लोगों ने कोरोना को मात दी है। कुल ठीक हुए मरीजों की बात की जाए तो यह आंकड़ा अब 3,65,60,650 पर पहुंच गया है। मिली जानकारी के अनुसार बीते 24 घंटे में 525 लोगों की कोरोना से मौत हुई है। हालांकि मौतों का यह आंकड़ा कल के मुकाबले थोड़ा बढ़ा है। कल 488 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। मंत्रालय के अनुसार कुल मौतों की संख्या अब 4,89,409 हो गई है। बता दें कि भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते सरकार ने वैक्सीनेशन की रफ्तार तेज कर दी है। अब कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा

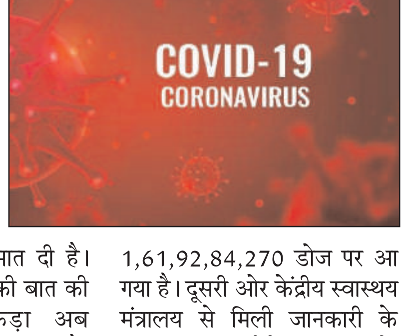

1,61,92,84,270 डोज पर आ गया है। दूसरी ओर केंद्रीय स्वास्थय मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार कल कोरोना वायरस के लिए 18,75,533 सैंपल टेस्ट किए गए थे और कुल टेस्ट की बात की जाए तो कल तक कुल 71,55,20,580 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

चिदंबरम बोले: 'अबाइड विद मी' भजन को हटाने का फैसला दुःखद, केंद्र सरकार ने लोगों की संवेदनाओं को आहत किया

पणजी। केंद्र सरकार ने इस साल बीटिंग रिट्रीट समारोह से महात्मा गांधी के पसंदीदा भजन 'अबाइड विद मी' को हटाने का फैसला किया है। इस निर्णय पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने आपत्ति जताते हुए कहा है कि सरकार के इस कदम ने लोगों की सोच और संवेदनशीलता को पीड़ा पहुंचाई है। चिदंबरम ने गोवा में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अबाइड विद मी महात्मा गांधी का पसंदीदा भजन था। 1950 में एक गणतंत्र बनने के बाद से हमेशा बीटिंग रिट्रीट समारोह इसकी धुन पर पूरा होता आया है। यह भजन स्कॉटिश एंग्लिकन कवि और भजन विज्ञानी हेनरी फ्रांसिस लायट ने साल 1847 में लिखा था। यह देश की बीटिंग रिट्रीट समारोह का साल 1950 से हिस्सा बनता आ रहा था। लेकिन, भारतीय सेना ने शनिवार को इस साल इसे हटाने का एलान किया था। इस साल के समारोह के लिए इस भजन के स्थान पर लोकप्रिय देशभक्ति गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों' को रखा जाएगा। इसकी रचना कवि प्रदीप ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में की

थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि एक ईसाई भजन को, जो अब एक ईसाई भजन न होकर धर्मनिरपेक्ष भजन बन चुका है, गणतंत्र दिवस परेड से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि सरकार ने यह फैसला भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में लिया। चिदंबरम ने कहा, 'इसने बहुत सारे विचारशील और संवेदनशील लोगों को आहत किया है।' बीटिंग रिट्रीट एक सदियों पुरानी सैन्य परंपरा है जो उन दिनों से चली आ रही है जब सूर्यास्त के समय सैनिक युद्ध से अलग हो जाते थे। इस साल विजय चौक पर समारोह में 26 धुनें बजाई जाएंगी। इनमें 'हे कांचा', 'चन्ना बिलौरी', 'जय जन्म भूमि', 'नृत्य सरिता', 'विजय जोश', 'केसरिया बन्ना', 'वीर सियाचिन', 'हाथरोई', 'विजय घोष', 'लड़ाकू', 'स्वदेशी', 'अमर चट्टान', 'गोल्डन एरो', और 'स्वर्ण जयंती', 'वीर सैनिक', 'बगलरों की धूमधाम', 'आईएनएस इंडिया', 'यशस्वी', 'जय भारती', 'केरल', 'सिकी ए मोल', 'हिंद की सेना', 'कदम कदम बढ़ाए जा', 'ड्रमर कॉल', 'ऐ मेरे वतन के लोगों' उन धुनों में हैं जिन्हें 29 जनवरी की शाम को बजाया जाएगा।

पीवी सिंधु ने जीता महिला एकल का खिताब फाइनल में मालविका बंसोड़ को हराया

नई दिल्ली। भारत की स्टार शटलर और दो बार की ओलंपिक चैंपियन पीवी सिंधु ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूनार्मेंट में महिला एकल का खिताब जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में भारत की ही युवा शटलर मालविका बंसोड़ को हराया। रविवार को लखनऊ में खेले गए फाइनल में सिंधु ने मालविको को लगातार गेमों में 21-13, 21-16 से हराया। यह शीर्ष वरीयता प्राप्त सिंधु का दूसरा सैयद मोदी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 इवेंट खिताब है। इससे पहले उन्होंने यह टाइटल 2017 में जीता था। फाइनल मुकाबला 35 मिनट तक चला। सैयद मोदी इंटरनेशनल में महिला एकल में सबसे ज्यादा बार खिताब जीतने का रिकॉर्ड साइना नेहवाल के नाम है। साइना ने 2009, 2014 और 2015 में खिताब जीता था। वहीं, पुरुषों में चेतन आनंद (2009), पारुपल्ली कश्यप (2015), किदांबी श्रीकांत (2016) और समीर वर्मा (2017, 2018) एकल का खिताब जीत चुके हैं। वहीं, मिक्स्ड डबल्स में भारत के ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्तो की जोड़ी ने खिताब अपने नाम किया। फाइनल में उन्होंने टी हेमा नागेंद्र और श्रीवेद्य की जोड़ी को 21-16, 21-12 से हराया। यह

मुकाबला 29 मिनट तक चला। इससे पहले पुरुष एकल का मुकाबला कोरोना की वजह से नहीं हो सका। फाइनल से पहले एक खिलाड़ी कोरोना संक्रमित मिला था। इसके बाद आयोजकों ने इस मैच को नहीं कराया। विजेता की घोषणा बिना मैच के ही होगी। पुरुष एकल के फाइनल में फ्रांस के ही दो खिलाड़ी अर्नोड मर्केल और लुकस क्लेयरबॉट आमने-सामने थे।

चिंतन मनन

सऊदी में तनाव

सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गठबंधन के फाइटर जेट्स ने मंगलवार आधी रात को यमन की राजधानी सना में हूती केंद्रों पर बम बरसाए। इन विद्रोहियों ने सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबुधाबी पर ड्रोन अटैक किया था। अबुधाबी के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और तेल डिपो के पास किए गए हमले में 2 भारतीयों समेत 3 लोगों की मौत हो गई। सऊदी की अगुआई वाली गठबंधन सेना और हूती विद्रोहियों के बीच लंबे वक्त से संघर्ष जारी है। इस संघर्ष की शुरूआत 2015 में हूती विद्रोहियों के यमन की राजधानी सना पर कब्जा के बाद हुई थी। सऊदी गठबंधन सेना ने इसी साल इनके खिलाफ सैन्य कार्रवाई की थी। इसके बाद विद्रोहियों और अरब देशों में वार-पलटवार शुरू हो गया। इस संगठन ने यूएई पर आगे भी हमले जारी रखने की चेतावनी जारी की है। ऐसे में दुनियाभर की नजरें इस कट्टरपंथी संगठन पर टिक गई हैं। हूती आंदोलन मुख्य रूप से जैदी शिया बल है, जिसका नेतृत्व बड़े पैमाने पर हूती जनजाति करती है। यह यमन के उत्तरी क्षेत्र में शिया मुस्लिमों का सबसे बड़ा आदिवासी संगठन है। हूती उत्तरी यमन में सुन्नी इस्लाम की सलाफी विचारधारा के विस्तार के विरोध में हैं। हूतियों का यमन के सुन्नी मुसलमानों के साथ खराब संबंध का इतिहास रहा है। इस आंदोलन ने सुन्नियों के साथ भेदभाव किया, लेकिन साथ ही उन्हें भर्ती भी किया है और उनके साथ गठबंधन भी किया है। हुसैन बद्रेद्दीन अल-हूती के नेतृत्व में, समूह यमनी के पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह के विरोध के रूप में उभरा था, जिस पर उन्होंने बड़े पैमाने पर वित्तीय भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और सऊदी अरब और अमेरिका द्वारा समर्थित होने की आलोचना की। 2000 के दशक में विद्रोही सेना बनने के बाद हूतियों ने 2004 से 2010 तक यमन के राष्ट्रपति सालेह की सेना से छह बार युद्ध किया। साल 2011 में अरब देशों (सऊदी अरब, यूएई, बहरीन और अन्य) के हस्तक्षेप के बाद यह युद्ध शांत हुआ। हालांकि तानाशाह सालेह को देश की जनता के प्रदर्शनों के चलते पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद अब्दरब्बू मंसूर हादी यमन के नए राष्ट्रपति बने। उम्मीदों के बावजूद हूती उनसे भी खुश नहीं हुए और फिर से विद्रोह छोड़ दिया और उन्हें राष्ट्रपति पद से हटाकर राजधानी सना को अपने कब्जे में ले लिया। हूतियों का उदय 1980 के दशक में यमन में हुआ। यह यमन के उत्तरी क्षेत्र में शिया मुस्लिमों का सबसे बड़ा आदिवासी संगठन है। हूती उत्तरी यमन में सुन्नी इस्लाम की सलाफी विचारधारा के विस्तार के विरोध में हैं। 2011 से पहले जब यमन में सुन्नी नेता अब्दुल्ला सालेह की सरकार थी, तब शियाओं के दमन की कई घटनाएं सामने आईं। ऐसे में शियाओं में सुन्नी समुदाय के तानाशाह नेता के खिलाफ गुस्सा भड़क उठा। उन्होंने देखा कि अब्दुल्ला सालेह की आर्थिक नीतियों की वजह से उत्तरी क्षेत्र में असमानता बढ़ी है। वे इस आर्थिक असमानता से नाराज थे। 2000 के दशक में विद्रोही सेना बनने के बाद हूतियों ने 2004 से 2010 तक सालेह की सेना से छह बार युद्ध किया। साल 2011 में अरब देशों (सऊदी अरब, यूएई, बहरीन और अन्य) के हस्तक्षेप के बाद यह युद्ध शांत हुआ। देश में शांति के लिए बातचीत जारी ही थी कि तानाशाह सालेह को देश की जनता के प्रदर्शनों के चलते पद छोड़ना पड़ा। इस दौरान अब्दरब्बू मंसूर हादी यमन के नए राष्ट्रपति बने। देश की जनता ने हादी से सुधारों को लेकर काफी उम्मीदें जताई थीं। लेकिन देश में जिहादियों के बढ़ते हमले, दक्षिणी यमन में अलगाववादी आंदोलन, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और सेना का पूर्व राष्ट्रपति सालेह को समर्थन हादी के लिए समस्या बना रहा। आखिरकार जब हूतियों को अपनी समस्याओं का हल होता नहीं दिखा, तो उन्होंने हादी को भी सत्ता से बेदखल कर दिया और राजधानी सना को अपने कब्जे में ले लिया। शिया समुदाय से आने वाले हूतियों की यमन में इसी बढ़ती ताकत से सुन्नी बहुल सऊदी अरब और यूएई में घबराहट बढ़ गई। उन्होंने अमेरिका और ब्रिटेन की मदद से हूतियों के खिलाफ हवाई और जमीनी हमले करने शुरू कर दिए और सत्ता से बेदखल हुए हादी का समर्थन किया। इसका असर यह हुआ कि यमन अब युद्ध का मैदान बन चुका है। यहां सऊदी अरब, यूएई की सेनाओं का मुकाबला हूती विद्रोहियों से है।

है बनने की होड़!

अब स्टार प्रचारक ।
है बनने की होड़ ।।
एड़ी चोटी जोर ।
लगा रहे भी दौड़ ।।
हो जाएं हम शामिल ।
मानी जाए बात ।।
चाहतें हमारी ।
सज जाए बारात ।।
हम ना किसी से कम ।
सोचो एक बार ।।
सूची से हटाकर ।
ना तड़पाओ यार ।।
डालो हम पर बोझ ।
हम बैठे तैयार ।।
हर कला में माहिर ।
और समझदार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

पत्रकारों के सवालों से 'लाजवाब' होते यह 'रणछोड़'

हमारे देश में 'मीडिया' व पत्रकारिता का स्तर इतना गिर चुका है कि 'गोदी मीडिया ', 'दलाल मीडिया' व 'चाटुकार मीडिया' जैसे शब्द प्रचलन में आ गये हैं। दुर्भाग्यवश सत्ता प्रतिष्ठान को 'दंडवत ' करने तथा सत्ता के एजेंडे को प्रसारित करने वाले पत्रकारों को भी दलाल, चाटुकार व बिकाऊ पत्रकारों जैसी उपाधियों से नवाजा जा चुका है। कहना गलत नहीं होगा कि मुख्य धारा के अधिकांश मीडिया घराने तथा इससे जुड़े पत्रकार, पत्रकारिता जैसे जिम्मेदाराना पेशे की मान मयार्दा व कर्तव्यों का पालन करने के विपरीत चाटुकारिता, धनार्जन तथा सत्ता के समक्ष नत मस्तक होने को ही पत्रकारिता मान बैठे हैं। परन्तु आज भी देश में बी बी सी व एन डी टी वी जैसे कुछ गिने चुने मीडिया संस्थान,अनेक सोशल मीडिया साइट्स तथा इन्हीं से जुड़े कुछ पत्रकार ऐसे भी हैं जो 'वास्तविक पत्रकारिता ' की लाज बचाए हुए हैं। और जब ऐसा ही कोई सच्चा पत्रकार किसी भी राजनेता या धर्मगुरु से कुछ ऐसे सवाल पूछ बैठता है जिसका जवाब देना आसान नहीं होता,अथवा जिन सवालों के जवाब यह देना नहीं चाहते,या फिर इनके सामने ऐसे सवाल रख दिये जाते हैं जिनसे यह इसलिये बचना चाहते हैं क्योंकि इनके पास उन सवालों के जवाब नहीं हैं,उस समय इनकी खीज व चिढ़ देखने लायक होती है। यह उस समय अपना माइक उतार फेंकते हैं,पत्रकार को अपमानित करते हैं,गाली गलौच व मारपीट पर उतर आते हैं। और भविष्य में ऐसे 'गुस्ताख ' पत्रकार को कभी कोई इंटरव्यू भी नहीं देते। देश के अनेक जाने माने पत्रकार इन दिनों अपने 'दलाल स्वामियों ' की गुलामी करने के बजाये अपना यू ट्यूब चैनल चला कर न केवल अपने पेशे की लाज बचा रहे हैं बल्कि देश को वास्तविक पत्रकारिता के तेवरों से भी परिचित करा रहे हैं।

परन्तु इन परिस्थितियों में सवाल यह पैदा होता है कि आखिर जो कथित धर्म गुरु या राजनेता देश व समाज को मार्ग दर्शन देने का दावा करते हैं,जिन्हें यह मुगालता

रहता है कि वे जो भी करते या कहते हैं केवल वही शाश्वत सत्य है, उन्हीं के पास किसी भी कर्तव्यनिष्ठ पत्रकार के सवालों का माकूल जवाब आखिर क्यों नहीं होता ? क्यों ऐसे लोग उन पत्रकारों को अपमानित करने लगते हैं यहाँ तक कि हिंसा पर उतारू हो जाते हैं ? पिछले दिनों गाजियाबाद के डासना स्थित मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद ने बी बी सी की टीम को एक पूर्व निर्धारित इंटरव्यू दिया। महंत यति नरसिंहानंद का नाम मीडिया के द्वारा पहली बार तब प्रचारित किया गया था जब डासना स्थित उनके मंदिर के बाहर लगे एक प्याऊ पर गत वर्ष 11 मार्च को पानी पीने के कारण एक मुसलमान परिवार के आसिफ नामक बच्चे को बुरी तरह से पीटा गया था तथा उसका वीडियो वायरल किया गया था। इस घटना के बाद महंत ने कहा था कि उन्हें इस घटना पर कोई अफसोस नहीं है। यही महंत इन दिनों मुसलमानों के विरुद्ध सार्वजनिक रूप से जहर उगलते फिर रहे हैं। इन्होंने भारतीय मुसलमानों के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष छेड़ने का आह्वान कर भारत की पूरी दुनिया में काफी बदनामी भी की है।

पिछले दिनों बीबीसी की टीम यति नरसिंहानंद की सहमति से उनसे समय तय करने के बाद हरिद्वार के सवानंद घाट पर उनका साक्षात्कार करने पहुँची। बीबीसी संवाददाता ने जब उनसे हरिद्वार में गत दिनों आयोजित धर्म संसद में मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरी टिप्पणी करने से जुड़े विषय के बारे में पूछा गया तो वे भड़क उठे। उन्होंने अपने कोट में लगा माइक उतारकर फेंक दिया और ऊँची आवाज में अपशब्द बोलने लगे। मौके पर मौजूद यति नरसिंहानंद के समर्थकों ने बीबीसी पत्रकार व उनकी टीम के साथ मार पीट,गाली-गलौच और धक्का-मुक्की की। उन्होंने धमकियाँ दीं और पूरी टीम को काफी देर तक जबरन रोके रखा। बी बी सी पत्रकार सहित इंटरव्यू लेने पहुंची पूरी टीम की तलाशी ली गई और उन्हें धमकाया गया कि वीडियो प्रसारित नहीं होना चाहिए। इस घटना के बाद बीबीसी ने यति नरसिंहानंद व उनके सहयोगियों के विरुद्ध पुलिस में 341 (गैर-कानूनी तरीके से बलपूर्वक रोकना), 352 (बिना उकसावे के हमला), 504 (अपमान, गाली-गलौज, शांति भंग) और 506 (धमकी देना) जैसी अपराधिक धाराओं के अंतर्गत शिकायत दर्ज की गई। अब जरा इनके चरित्र इनकी बोल वाणी,इनकी भाषा इनके इरादों तथा देश की सामाजिक एकता के ताने बाने को छिन्न भिन्न करने के इनके इरादों पर गौर कीजिये और उसी समय इस जैसे व्यक्ति व इसके साथियों की एक जिम्मेदार मीडिया संस्थान की टीम के साथ हिंसक बर्ताव करने के हौसले को भी देखिये तो साफ पता चलेगा कि इसके पास पत्रकार द्वारा पूछे गये सवाल का जवाब ही नहीं था।

अभी कुछ दिनों पूर्व उत्तर प्रदेश के एक उप मुख्य मंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी बी बी सी पत्रकार को कुछ इसी अंदाज में अपमानित किया था। वहां भी हरिद्वार में आयोजित कथित धर्म संसद से जुड़े सवाल किये गये थे जिसे सुनकर केशव प्रसाद मौर्य असहज हो गये और झुंझलाहट में उन्होंने भी पत्रकार को बुरा भला कहते हुये अपने गले में पड़ा माइक उतार फेंका। इससे पूर्व 2007 में प्रसिद्ध पत्रकार करन थापर ने नरेंद्र मोदी का गुजरात के मुख्य मंत्री रहते हुए साक्षात्कार किया था। उस समय गुजरात में 2002 में भड़की मुस्लिम विरोधी हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी का जिक्र जैसे ही करन थापर ने किया उसी समय नरेंद्र मोदी असहज हो गये उन्होंने पानी मांगते हुए अपने गले में पड़ा माइक निकाल दिया और इंटरव्यू बीच में ही छोड़ दिया। बी बी सी की नवदीप धारीवाल और कभी एन डी टी वी के लिये काम कर चुके वरिष्ठ पत्रकार विजय त्रिवेदी के भी नरेंद्र मोदी के साथ साक्षात्कार के समय के लगभग ऐसे ही अनुभव हैं। शायद 'वास्तविक पत्रकारों' द्वारा पूछे जाने वाले तीखे सवालों से बचने के लिये ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक किसी तरह का संवाददाता सम्मलेन नहीं बुलाया। और यदि पत्रकारों के रूप में एक दो 'स्थापित ' किये गये 'विशेष लोगों ' ने प्रधानमंत्री से इंटरव्यू किया भी तो उनके सवालों का स्तर भी देश दुनिया ने गौर से देखा कि -'आप आम चूस के खाते हैं या काट कर'? 'आप में यह फकीरी कहाँ से आती है' वगैरह वगैरह। सवाल यह है स्वयं को धर्म व देश का नेता बताने व स्वयं को 'रणजीत ' बताने वाले इसतरह के लोग वास्तविक पत्रकारों के सवालों से 'लाजवाब' होकर आखिर 'रणछोड़' क्यों बन जाते हैं ?

अभी प्राणों की आहुति देना शेष है: सुभाष

नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्वतंत्रता महाभियान के एक महान क्रांतिकारियों में से एक थे। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय सेना का निर्माण किया था। जो विशेषता आजाद हिंद फौज के नाम से प्रसिद्ध थी। सुभाष चंद्र बोस स्वामी विवेकानंद को बहुत मानते थे। उनका जन्म 23 जनवरी 1897 को ओड़िशा के कटक शहर में हुआ था। उनके पिता जानकी नाथ ने अंग्रेजों के दमनचक्र के विरोध में रायबहादुर की उपाधि लौटा दी। इससे सुभाष के मन में अंग्रेजों के प्रति कटुता ने घर कर लिया। अब सुभाष अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने व भारत को स्वतंत्र कराने का आत्मसंकल्प ले, चल पड़े राष्ट्रकर्म की राह पर। आईसीएस की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद सुभाष ने आईसीएस से इस्तीफा दिया। इस बात पर उनके पिता ने उनका मनोबल बढ़ाते हुए कहा- जब तुमने देशसेवा का व्रत ले ही लिया है, तो कभी इस पथ से विचलित मत होना।

सुभाष ने आजादी के आंदोलन को एक नई राह देते हुए युवाओं को संगठित करने का प्रयास पूरी निष्ठा से शुरू कर दिया। इसकी शुरूआत 4 जुलाई 1943 को सिंगापुर में भारतीय स्वाधीनता सम्मेलन के साथ हुई। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि जब नेताजी ने जापान और जर्मनी से मदद लेने की कोशिश की थी तो ब्रिटिश सरकार ने अपने गुप्तचरों को 1941 में उन्हें खत्म करने का आदेश दिया था। नेताजी ने 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर के टाउन हाल के सामने सुप्रीम कमाण्डर के रूप में सेना को सम्बोधित करते हुए दिल्ली चलो! का नारा दिया और जापानी सेना के साथ मिलकर ब्रिटिश व कामनवेल्थ सेना से बर्मा सहित इम्फाल और कोहिमा में एक साथ जमकर मोर्चा लिया।

5 जुलाई 1943 को आजाद हिन्द फौज का विधिवत गठन हुआ। 21 अक्टूबर 1943 को एशिया के विभिन्न देशों में रहने वाले भारतीयों का सम्मेलन कर उसमें अस्थायी स्वतंत्र भारत सरकार की स्थापना कर नेताजी ने आजादी प्राप्त करने के संकल्प को साकार किया। सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता थे जिनकी निडर देशभक्ति ने उन्हें देश का हिंदू बनाया द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिंद फौज का गठन किया था। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा सुभाष चंद्र बोस का यह प्रसिद्ध नारा था। रंगून के जुगनी हाल में सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया भाषण इतिहास के पन्नों में अंकित हो गया। जिसमें उन्होंने कहा था कि स्वतंत्रता बलिदान चाहती है अपनी आजादी के लिए बहुत त्याग किया है। किंतु अभी प्राणों की आहुति देना शेष है ये आजाद की वचन थे। उन्होंने आजादी को आज अपने शीश फूल चढ़ा देने वाले ऐसे नौजवानों की आवश्यकता है। जो अपना सर काट के स्वाधीनता देवी को भेंट चढ़ा सके। उन्होंने दिल्ली चलो का नारा भी दिया। सुभाष चंद्र बोस भारतीयता की पहचान ही बन गए और भारतीय युवक आज भी उनसे प्रेरणा ग्रहण करती है। सुभाष चंद्र बोस भारत के अमूल्य ही थे जो जय हिंद का नारा और अभिवादन देकर चले गए। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में सुभाष को कुल 11 बार कारावास हुआ। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु एक रहस्य बनी हुई है। 18 अगस्त 1945 को ताइपे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु विमान दुर्घटना से हो गई थी। लेकिन क्या उनकी सच में मृत्यु हुई थी, ये गुत्थी सुलझ नहीं सकी।

जवान स्मारकः फिजूल की बहस

सभी देशवासियों के लिए यह खुशखबर है कि अब इंडिया गेट पर सुभाषचंद्र बोस की भव्य प्रतिमा सुसज्जित की जाएगी। इसे मैं हमारे नेताओं की भूल-सुधार कहूंगा, क्योंकि उस स्थान से जार्ज पंचम की प्रतिमा को हटे 52 साल हो गए लेकिन किसी सरकार के दिमाग में यह बात नहीं आई कि वहां चंद्रशेखर आजाद या भगतसिंह या सुभाष बाबू की प्रतिमा को प्रतिष्ठित किया जाए। अब सुभाष बाबू की प्रतिमा तो वहां लगेगी ही, अब सरकार ने एक काम और कर दिया है, जिसकी फिजूल ही आलोचना हो रही है। वह है, अमर जवान ज्योति और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक को मिलाकर एक कर दिया गया है। यह ज्योति बांग्लादेश में शहीद हुए भारतीय सैनिकों की याद में 1972 में स्थापित हुई थी और बाद के युद्धों में शहीद हुए जवानों के लिए पास में ही 2019 में एक स्मारक बना दिया गया था। अब सरकार ने इन दोनों को मिलाकर जो एक पूर्ण स्मारक बनाया है तो उसकी आलोचना यह कहकर हो रही है कि इंदिरा गांधी के बनाए हुए स्मारक को नष्ट करके मोदी अपना नाम चमकवाना चाहते हैं। इसीलिए उन्होंने अपने बनवाए हुए स्मारक में उसे विलीन करवा दिया है। कल भारतीय टेलिविजन चैनलों पर इसी मुद्दे को लेकर दिन भर उठापटक चलती रही। जो आरोप लगाया जा रहा है, वह तभी सही होता जबकि अमर जवान ज्योति को जॉर्ज पंचम की मूर्ति की तरह हटा या बुझा दिया जाता। अब ज्योति और स्मारक को मिला देने से संयुक्त ज्योति और भी तेजस्वी हो जाएगी। इस महाज्योति में अब उन 3843 जवानों के नाम भी शिलालेख पर लिखे जाएंगे, जिनका बांग्लादेश में बलिदान हुआ था। पहले ये नाम नहीं लिखे गए थे। अब संयुक्त स्मारक में कुल 24,466 जवानों के नाम अंकित होंगे, जो 1947 से अब तक के सभी युद्धों या मुठभेड़ों या आतंकी मुकाबलों में शहीद हुए हैं। ये नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित होंगे। इंडिया गेट का निर्माण अंग्रेज शासकों ने 1931 में करवाया था ताकि प्रथम महायुद्ध और अफगान-ब्रिटिश युद्धों में शहीद हुए भारतीय नौजवानों को याद रखा जा सके। उनकी संख्या 84000 मानी जाती है। अब यदि अपने सभी भारतीय जवानों का स्मारक एक ही जगह हो तो यह ज्यादा अच्छा है। सभी के लिए एक ही भव्य श्रद्धांजलि समारोह होगा। भारत में किसी भी पार्टी का प्रधानमंत्री हो, सभी शहीद उसके लिए तो एक समान ही होने चाहिए। कांग्रेसी-काल और भाजपा-काल के शहीदों में फर्क करना और उनके लिए अलग-अलग स्मारक खड़े करना कहाँ तक ठीक है? नरेंद्र मोदी यदि अमर जवान ज्योति के लिए यह नहीं कहते कि किसी खास परिवार के नाम पर ही स्मारक खड़े किए जाते हैं तो शायद यह फिजूल का वितंडावाद खड़ा नहीं होता। कांग्रेसियों की हालत पहले ही खस्ता है। यदि आप जले पर नमक छिड़केंगे तो मरीज शोर तो मचाएगा ही।

किसान आन्दोलन ने, किसानों को सभी सरकारों को, समझने की काबिलियत विकसित

महाकौशल क्षेत्र में खरीब सीजन की मुख्य फसल मक्का है, मक्के का समर्थन मूल्य 1870/- प्रति क्विंटल की घोषणा तो अवश्य की किन्तु 800/- रुपए क्विंटल से लेकर 1400/- रुपए क्विंटल से अधिक पर किसान का मक्का नही बिक सका। खेत और खलिहान खाली कर रवि की फसल की तैयारी तथा साहूकार का कर्जा पटाने के कारण किसान को अपनी फसल ओने-पोने दाम पर बेचने पर मजबूर होना पड़ता है। जब किसान के पास से मक्का व्यापारी के पास पहुँच गया तो भाव 2000/- रुपए प्रति क्विंटल पर पहुँच गये। अतिवृष्टि और ओलावृष्टि के कारण किसान की रवि की फसल तथा सब्जी को भारी नुकसान पहुँचा है, जिस समय किसान की फसल नष्ट होती है सरकार किसानों की सान्तवना के लिए सिर्फ यह कहकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर देती है कि वह किसान के साथ खाड़ी है, पर अगर हम धरातल पर देखें तो सरकार किसान के साथ नही बल्कि किसानों को ठगने वाली कम्पनीयों के साथ खड़ी दिखाई दे रही है। फसल खराब हो जाने के कारण क्षेत्र में किसानों के साथ साथ मजदूर वर्ग भी भुखमरी की चपेट में आ जाता है। अतिवर्षा, ओलावृष्टि या सूखे के कारण किसान की फसल नष्ट होती है तो गलत सरकारी आंकड़े पटवारी के माध्यम से सरकार तक भेजे जाते है उसी समय विभिन्न वित्तीय संस्थाओं द्वारा कड़ाई से ऋण वसूल की कार्यवाही भी शुरू हो जाती है। बिजली विभाग, बिजली का बिल ना पटाने के कारण किसानों की मोटर जप्त कर लेते है परिणाम स्वरूप किसानों की आर्थिक रूप से कमर टूट जाती है। बीजों के मूल्य के साथ उन बीजों से उत्पन्न होने वाली फसलों की बीमें की प्रीमियम की राशि भी सरकार द्वारा ले ली जाती है, फसल बीमा के नाम पर सरकार 1982 से प्रीमियम की राशि काट रही है किन्तु फसल बीमा के नाम पर किसानों को 1 रुपए और 2 रुपए चैक की राशि किसान को देकर किसान

का अपमान करने का काम सरकार द्वारा किया जाता रहा है, इस राशि को प्राप्त करने के लिए भी किसानों को घण्टों बैंक की लाईन में खड़े रहना पड़ता है। 75 सालों में कोई भी सरकार किसान के पक्ष में काम करती दिखाई नही दे रही है। फसलों के खराब हो जाने के कारण जहाँ किसान बिलकुल खाली हाथ हो गया है वहीं मजदूर वर्ग भी बेरोजगार हो गया है। खाली किसान एवं मजदूर वर्ग स्वभाविक रूप से किसान आन्दोलन की ओर आकृषित हो रहा है। तीन किसान विरोधी कानून रद्द करने के पश्चात केन्द्र सरकार ने किसानों पर किसान आन्दोलन के दौरान लादे गये फर्जी मुकदमें वापस लेने तथा सभी कृषि उत्पाद की समर्थन मूल्य पर खरीदी का कानून बनाने की बात कही थी, किन्तु सरकार अपने वादे से मुकर गई, इसलिए किसान 31 जनवरी को सरकार के खिलाफ धिक्कार दिवस मनाने पर मजबूर है।

सन् 1997 में किसानों की फसलें अतिवृष्टि और ओलावृष्टि के कारण खराब हुई, सोयाबीन की फसल गेरूआ रोग के कारण पूर्णतः नष्ट हो चुकी थी, किसान के पास अपने बच्चों को खिलाने के लिए अनाज नही था जानवर भूख से तड़फ तड़फ कर मर रहे थे उपर से बिजली विभाग, बैंक एवं सोसाईटी कर्ज की वसूली के लिए किसानों को नोटिस भेज रहे थे। किसानों ने सरकार के खिलाफ आन्दोलन का रूख अपनाया, आन्दोलन का केन्द्र बिन्दु मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में स्थित मुलताई क्षेत्र रहा, जिसमें सबसे पहले फसल बीमा की राशि की मांग की, किसान अपनी नष्ट हुई फसल का मुआवजा मांगने के लिए 12 जनवरी 1998 को तहसील परिसर मुलताई में एकत्रित हुए, सरकार ने चैबिस किसानों को गोली से भूंज डाला, 150 किसान घायल हुए, 250 किसानों पर एक ही घटना के 67 मुकदमें लादे गये और 4 आन्दोलनकारियों को झूठे मुकदमें में झूठी गवाही दिलवाकर किसानों का नेतृत्व करने के आधार पर आजीवन कारावास की सजा देकर आन्दोलनकारियों एवं किसानों को डराने का प्रयास किया गया। जब जब किसान ने अपने हक की लड़ाई लड़ने के लिए आवाज बुलंद की सरकार ने किसानों पर गोलीचालन करके उन्हें डराने का प्रयास किया चाहे मन्दसौर की बात हो या बरेली की किन्तु किसान आन्दोलन की आग अंदर ही अंदर सुलगती चली गई। दिल्ली की सीमा पर बैठे किसानों ने केन्द्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अब बहुत हो गया किसानों की अन्देखी का सवाल। अबकी बार किसान सरकार को झुका कर ही माने और तीन किसान विरोधी कानून रद्द करने पर सरकार को मजबूर किया। किसान का आन्दोलन समाप्त नही हुआ है आन्दोलन अलग अलग स्टेप में चलता है और एक बार फिर देश का अन्नदाता सरकार के छलावे के खिलाफ अवाज बुलंद करने के लिए एक जुट हो रहा है। 31 जनवरी को देश भर का किसान सरकार के वादा खिलाफी के खिलाफ धिक्कार दिवस मनाकर सरकार को लोहे के चने चबाने पर मजबूर करेंगा। कर्जा मुक्ति पूरा दाम के अधिकार की लड़ाई जारी है।

मिट्टी के अनुकूल उर्वरक का चयन अब तकनीक की मदद से

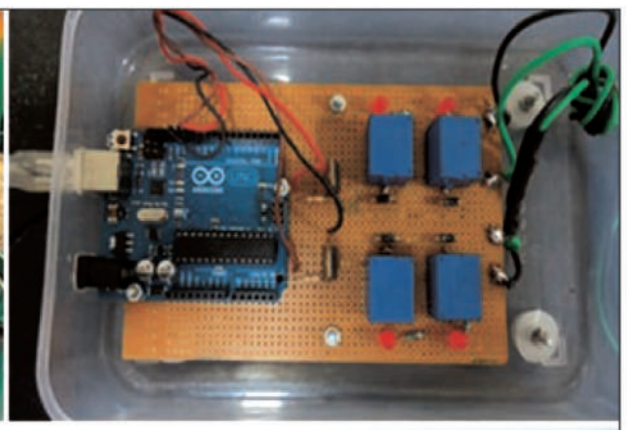

प्रत्येक प्रकार की मृदा की प्रकृति अलग होती है। ऐसे में उसके लिए उचित उर्वरक, कीटनाशक, पोषक तत्वों और यहां तक की जल की आवश्यकता का पैमाना भी अलग होता है। किसान स्थानीय संस्थाओं द्वारा मृदा परीक्षण या तात्कालिक तौर पर आंकड़े एकत्र करने के लिए सेंसर लगाते हैं, जिनके आधार पर किसान सूचनाएं जुटा रहे हैं।

भारत सरकार द्वारा हाल ही में मानचित्रण के क्षेत्र में खुलेपन की घोषणा के साथ देश में भू-स्थानिक मानचित्रण को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। कृषि क्षेत्र में भी मानचित्रण के विशेष उपयोग से देश के खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम का क्रांतिकारी कायाकल्प हो सकता है। इसके लिए मृदा मानचित्र (सॉइल मैप) बनाने की तैयारी हो रही है। ह्यडिफ्रेंशियल जीपीएसह्न (डीजीपीएस) के माध्यम से तैयार किए जाने वाले मृदा मानचित्र की मदद से किसी भी कृषि भूमि के लिए उपयुक्त उर्वरक के उपयोग का खाका तैयार किया जा सकेगा। इस तकनीक को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर ने विकसित किया है।प्रत्येक प्रकार की मृदा की प्रकृति अलग होती है। ऐसे में उसके लिए उचित उर्वरक, कीटनाशक, पोषक तत्वों और यहां तक की जल की आवश्यकता का पैमाना भी अलग होता है। किसान स्थानीय संस्थाओं द्वारा मृदा परीक्षण या तात्कालिक तौर पर आंकड़े एकत्र करने के लिए सेंसर लगाते हैं, जिनके आधार पर किसान सूचनाएं जुटा रहे हैं। इस तकनीक का उद्देश्य नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश (एनपीके) का सही संतुलन बैठाना है ताकि पारंपरिक तकनीकों और तौर-तरीकों के बजाय मृदा की आवश्यकताओं के अनुरूप उनका सही मिश्रण तैयार किया जा सके। इससे जुड़ी सेंसर आधारित तकनीकें अभी भी विकसित होने की प्रक्रिया में हैं।

> **इसकी प्रविधि को समझाते हुए प्रो तिवारी ने कहा, 'हमने एक हेक्टेयर भूमि को 36 ग्रिड में विभाजित किया और प्रत्येक ग्रिड की पोषण आवश्यकता सॉइल मैप में दर्ज थी। जिस वाहन के माध्यम से उर्वरकों का उपयोग होना था, उसे डीजीपीएस मॉड्यूल और जीयूआई संचालित माइक्रोप्रोसेसर कम माइक्रोकंट्रोलर से जोड़ा गया ताकि वह मैप के माध्य से रियल टाइम आधार पर अपना काम कर सके।' उन्होंने कहा कि यह तकनीक न केवल और प्रभावी ढंग से अपना काम करने में सक्षम है, बल्कि इससे मानवीय श्रम पर निर्भरता भी कम होगी।**

आईआईटी खड़गपुर के निदेशक प्रो वीके तिवारी कृषि एवं खाद्य आभियांत्रिकी विभाग में अपनी पूर्व सहयोगी डॉ स्नेहा झा के साथ मिलकर इसे कुछ इस प्रकार समझाते हैं कि यह एक वैकल्पिक तरीका है जो एनपीके के विभिन्न अनुप्रयोगों को लेकर विविध जीपीएस के माध्यम से रीयल टाइम डेटा के आधार पर संचालित होता है। इस सॉइल मैप को उस कृषि भूमि पर उपयोग किया जा सकता है, जिसका परीक्षण जिला प्रशासन अथवा किसी निजी प्रयोगशाला द्वारा किया जा सकता है। इस डाटा को डीजीपीएस मॉड्यूल के माध्यम से जीयूआई इंस्टॉल्ड एप्लीकेटर से उपयोग किया जाएगा।

इसकी प्रविधि को समझाते हुए प्रो तिवारी ने कहा, 'हमने एक हेक्टेयर भूमि को 36 ग्रिड में विभाजित किया और प्रत्येक ग्रिड की पोषण आवश्यकता सॉइल मैप में दर्ज थी। जिस वाहन के माध्यम से उर्वरकों का उपयोग होना था, उसे डीजीपीएस मॉड्यूल और जीयूआई संचालित माइक्रोप्रोसेसर कम माइक्रोकंट्रोलर से जोड़ा गया ताकि वह मैप के माध्य से रियल टाइम आधार पर अपना काम कर सके।' उन्होंने कहा कि यह तकनीक न केवल और प्रभावी ढंग से अपना काम करने में सक्षम है।

कई बीमारियों से दूर रखती हैं अनार के छिलकों की चाय, जानिए इसके फायदे

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि आज के व्यस्त लाइफस्टाइल में लोग अपने खानपान से लेकर एक्सरसाइज आदि पर फोकस नहीं करते हैं, जिससे कोलेस्ट्रॉल, वसा और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं शुरू हो जाती है। जिसके कारण बॉडी को डिटॉक्सिफाई करना बेहद जरूरी हो जाता है।

भारतीय घरों में हर सुबह लोग चाय पीना पसंद करते हैं। आमतौर पर चायपत्ती की मदद से बनने वाली चाय में कैफीन होता है और इसका आवश्यकता से अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। लेकिन क्या आपको पता है कि अगर चायपत्ती की जगह अनार के छिलकों की मदद से चाय बनाई जाए तो यह बेहद ही स्वास्थ्यवर्धक होती है। इससे आपकी सेहत को कई बेहतरीन लाभ प्राप्त होते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बता रहे हैं-

बॉडी को करे डिटॉक्सिफाई

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि आज के व्यस्त लाइफस्टाइल में लोग अपने खानपान से लेकर एक्सरसाइज आदि पर फोकस नहीं करते हैं, जिससे कोलेस्ट्रॉल, वसा और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं शुरू हो जाती है। जिसके कारण बॉडी को डिटॉक्सिफाई करना बेहद जरूरी हो जाता है। इसके लिए आप अनार के छिलकों से बनी चाय का सेवन करें। अनार की चाय जो एंटीऑक्सिडेंट गुणों से भरी होती है, आपके शरीर में जमा सभी टॉक्सिन्स को बाहर निकाल देती है, जिससे आप अधिक हेल्दी बनते हैं।

बेहतर पाचन तंत्र

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, अनार के छिलके वाली चाय पाचन तंत्र के लिए भी बेहद लाभकारी है। यह जठरांत्र संबंधी मार्ग में रोगजनक कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए आवश्यक है, जिससे पाचन तंत्र के स्वस्थ कामकाज को बढ़ावा मिलता है। अनार की चाय पीने से कोलाइटिस, डायरिया, पित्त, साल्मोनेला और अल्सर का इलाज करने में मदद मिलती है।

गले की खराश से राहत

अगर आप बदलते मौसम में गले की खराश के कारण परेशान हैं तो ऐसे में आप अनार के छिलके की चाय बनाकर पी सकते हैं या फिर अनार के छिलकों को नमक और गर्म पानी में मिलाकर गरारे करें। ऐसा करने से गले की खराश से तुरंत राहत मिलती है।

गुड डेंटल हाइजीन

नमक के साथ गर्म अनार के छिलके वाली चाय को दांतों के दर्द से पीड़ित लोगों को गार्गल करना चाहिए। इससे उन्हें तुरंत राहत महसूस होती है। इतना ही नहीं, इससे आपको बैड ब्रेथ और मुंह की दुर्गंध से निपटने में भी मदद मिलती है।

मेलानिन उत्पादन बढ़ने से स्किन नजर आती है सांवली, जानिए किस तरह करें अपनी केयर

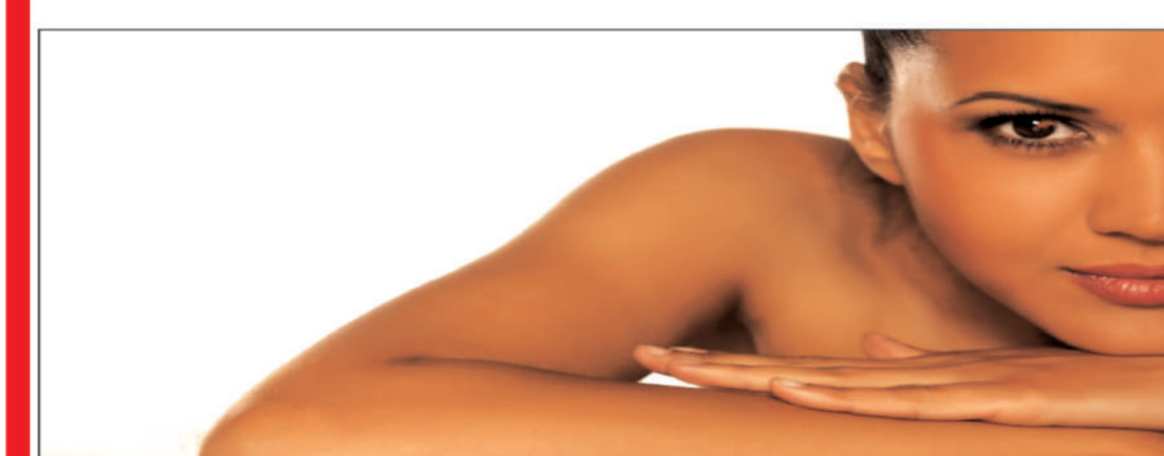

मेलेनिन हमारी त्वचा में मौजूद एक प्रकार का प्रोटीन है। यह ठीक वैसास ही है, जैसे कि केराटीन। मेलानिन कई मायनों में स्किन के लिए महत्वपूर्ण है। अगर यह ना हो तो व्यक्ति को स्किन कैंसर व अन्य स्किन संबंधी समस्याएं होने का खतरा बढ़ जाता है।

जब भी आप धूप में बाहर निकलते हैं या फिर लंबे समय तक धूप के संपर्क में आते हैं तो इससे स्किन सांवली नजर आने लगती है। आमतौर पर लोग स्किन का कालापन देखकर घबरा जाते हैं या फिर परेशान होते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि यह आपकी स्किन में मेलानिन की मात्रा बढ़ने से होता है। अब आप सोच रहे होंगे कि मेलानिन क्या है और इसके बढ़ने के कोई हानिकारक प्रभाव तो नहीं। तो चलिए आज हम आपको इस बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

स्किन केयर एक्सपर्ट के अनुसार, मेलेनिन हमारी त्वचा में मौजूद एक प्रकार का प्रोटीन है। यह ठीक वैसा ही है, जैसे कि केराटीन। मेलानिन कई मायनों में स्किन के लिए महत्वपूर्ण है। अगर यह ना हो तो व्यक्ति को स्किन कैंसर व अन्य स्किन संबंधी समस्याएं होने का खतरा बढ़ जाता है।

क्या करता है मेलानिन

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि हमारे शरीर में मौजूद हर पोषक तत्व का अपना एक अलग कार्य है। ठीक उसी तरह, मेलानिन का मुख्य कार्य है सूर्य की हानिकारक अल्ट्रावायलट किरणों से स्किन की रक्षा करना। इसे एक तरह से स्किन का सुरक्षा कवच भी कहा जा सकता है। दरअसल, जब स्किन लंबे समय तक सूरज की किरणों के संपर्क में आती है तो इससे होने वाले बुरे प्रभावों से बचने के लिए मेलानिन नामक प्रोटीन का उत्पादन स्वतः ही बढ़ने लगता है। यह स्किन पर एक परत बना लेता है, जिससे स्किन काली नजर आती है। लेकिन मेलानिन की परत के कारण ही किरणें त्वचा में प्रवेश नहीं हो पातीं और अंदरूनी कोशिकाओं को नुकसान ना होने के कारण स्किन कैंसर व अन्य डिसीस होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।वैसे तो स्किन अपनी रक्षा करने के लिए एक मेलानिन के रूप में एक सुरक्षा कवच तैयार कर लेती है। लेकिन फिर भी हमें कुछ ऐसे प्रयास करने चाहिए, जिससे स्किन को अतिरिक्त मेहनत ना करनी पड़े। मसलन, जब भी आप धूप में बाहर निकलें तो सनस्क्रीन अवश्य लगाएं ताकि स्किन को अतिरिक्त प्रोटेक्शन मिले। इसके अलावा यह कोशिश करें कि आपकी स्किन सीधी ही सूर्य की किरणों के संपर्क में ना आए। इसके लिए आप हाथों पर लॉन्ग ग्लव्स या फिर छाता आदि लेकर निकलें। साथ ही अगर संभव हो तो तेज धूप में बाहर निकलने से बचें।

विकास के माप, नाप और पोल (व्यंग्य)

पर्यावरण दिवस पर सबंधित दर्जनों कानूनों के मेहनती निमार्ताओं को स्मरण करते हुए हर साल हर मोहल्ले में प्लास्टिक के चार सौ बीस वृक्ष रोपने चाहिए। जिस क्षेत्र में प्रगति नहीं हुई, खुश रहने के लिए उसका भी जश्न मनाते रहना चाहिए। विकास का एक माप यह है कि हर क्षेत्र में उत्पादन बम्पर हो लेकिन पेट आराम से न भर पाए। नाप यह है कि महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य पोषण रिपोर्ट में स्तर पिछले साल से भी नीचे खिसक जाए तो क्या। पोल खोलने से बेहतर है मानव विकास सूचकांक की प्रक्रिया होनी ही नहीं चाहिए ताकि दर्जनों परेशानियां लुप्त रहें और सामाजिक कार्यकर्ता, शोधकर्ता व विश्लेषकों का सिर दर्द न रहे या कम रहे। लैंगिक समानता के मानक भी अगर संतुष्ट करने लायक न हों तो घोषित करने से पहले अच्छी तरह से सेंसर किए जाने चाहिए। ईशोपनिषद में सबके लिए बराबर विकास की विशुद्ध भारतीय दृष्टि के संदर्भ उद्धृत किए जाने की मनाही होनी चाहिए। कुपोषण को राष्ट्रीय धर्म मान लेने बारे संजीदा विचार करना चाहिए ताकि जनसंख्या स्वत कम होते रहना बुरा न लगे।

आर्थिक विकास केवल सड़क व भवन निर्माण को ही माना जाना उचित रहेगा। पर्यावरण दिवस पर सबंधित दर्जनों कानूनों के मेहनती निमार्ताओं को स्मरण करते हुए हर साल हर मोहल्ले में प्लास्टिक के चार सौ बीस वृक्ष रोपने चाहिए। जिस क्षेत्र में प्रगति नहीं हुई, खुश रहने के लिए उसका भी जश्न मनाते रहना चाहिए। इससे उत्सवों की गणना भी बढ़ जाएगी। हमारे बीस करोड़ लोगों को मनोरोगों का शिकार बताने वालों को मनोरोग से ग्रस्त घोषित करने बारे प्रस्ताव पास करना चाहिए। इससे संबंधित प्रोजेक्ट्स के लिए करोड़ों रूपए का वित्त बर्बाद न कर सड़क और भवन निर्माण में लगा देना चाहिए। इतना विकास मानव ही तो कर रहा है फिर मानव विकास सूचकांक बनाने, बताने व जानने का औचित्य कहां रह जाता है।

हमारा समाज धार्मिक, पारम्परिक, सांस्कृतिक व सभ्य है फिर भी कुछ चीजें जिंदगी का हिस्सा नहीं हो सकती। इसके मद्देनजर ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स अमान्य किया जा सकता है। हमारे अपनों के पास इतना पैसा है फिर भी प्रति व्यक्ति डीजीपी बहुत कम डॉलर है, यह हमारी सरलता, सादगी, सौम्यता व सहनशीलता की खूबसूरती है। वैसे भी दो काम एक साथ नहीं हो सकते जैसे विकास और मानव विकास साथ साथ होने संभव नहीं। जब दो गज की उचित दूरी बरकरार रखना संभव नहीं हो पाया तो यह भी कैसे हो सकता है।

पर्यावरण सम्बद्ध सूचना अनुसार भारत में सबसे अधिक लोगों की मृत्यु बताई जाती है इसका कारण यहां जनसंख्या का ज्यादा होना और मेहनती और जांबाज होना है। अब जरूरत यह है कि वैश्विक भूखमरी सूचकांक, मानव विकास सूचकांक, समग्र पर्यावरण प्रदर्शन, विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक, स्वच्छता एवं पेयजल सूचकांक, जैव विविधता, प्रदूषक तत्व उत्सर्जन सूचकांक जैसे सूचकांकों को हमारी लोकतांत्रिक फिजा में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। स्वास्थ्य, पोषण, रोजगार, कृषि, पर्यावरण, शिक्षा, न्याय, समानता जैसी दुविधाओं को हमेशा के लिए विचारों से बाहर कर देना चाहिए। विकासजी के रास्ते से कुछ तो अवांछित हटाना ही पड़ेगा।

जायफल की टॉफियों के उत्पादन के लिए हुआ करार

जायफल टॉफी के उत्पादन से संबंधित तकनीक के व्यावसायीकरण के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की गोवा स्थित शाखा सेंट्रल कोस्टल एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईसीएआर-सीसीएआरआई) और गोवा स्टेट बायोडायवर्सिटी बोर्ड के बीच एक करार हुआ है। इस करार पर आईसीएआर-सीसीएआरआई के निदेशक डॉ ई.बी. चाकुरकर और गोवा स्टेट बायोडायवर्सिटी बोर्ड के सदस्य सचिव डॉ प्रदीप सरमोकदम ने हस्ताक्षर किए हैं।

जायफल मिरिस्टिका नामक वृक्ष से प्राप्त होता है, और मिरिस्टिका के बीज को जायफल कहते हैं। मिरिस्टिका प्रजाति के वृक्ष की लगभग 80 जातियां हैं, जो भारत, आस्ट्रेलिया तथा प्रशांत महासागर के कई द्वीपों पर पाई जाती हैं। यह फल छोटी नाशपाती जैसा दिखाई है, जिसकी लंबाई एक से डेढ़ इंच तक होती है। जायफल में लगभग 80-85 प्रतिशत पेरिकॉर्प यानी उसका बाहरी छिलका होता है। आमतौर पर, किसान जायफल के बीज और उसके गूदे का इस्तेमाल करते हैं, और उसके छिलके को खेतों में ही छोड़ देते हैं। लेकिन, इस तकनीक के माध्यम से व्यर्थ छोड़ दिए गए छिलकों के माध्यम से जायफल टॉफी बनायी जाएगी।

> **व्यावसायिक दृष्टिकोण से जायफल टॉफी एक महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थ है। यह उत्पाद जायफल के बीज और उसके गूदे की उपज से निर्मित मसाला उत्पादों के अलावा किसानों और उद्यमियों को एक अतिरिक्त आय दिलाने में भी मदद करेगा। इसकी खास बात यह है कि सामान्य तापमान पर इस उत्पाद का एक साल तक भंडारण किया जा सकता है।**
>
> **आईसीएआर-सीसीएआरआई के निदेशक डॉ ई.बी. चाकुरकर ने गोवा राज्य में किसानों एवं कृषि उद्यमियों को लाभ पहुंचाने के लिए भविष्य की प्रौद्योगिकियों के व्यावसायिक उपयोग और हस्तांतरण की जरूरत पर बल दिया।**

व्यावसायिक दृष्टिकोण से जायफल टॉफी एक महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थ है। यह उत्पाद जायफल के बीज और उसके गूदे की उपज से निर्मित मसाला उत्पादों के अलावा किसानों और उद्यमियों को एक अतिरिक्त आय दिलाने में भी मदद करेगा। इसकी खास बात यह है कि सामान्य तापमान पर इस उत्पाद का एक साल तक भंडारण किया जा सकता है।

आईसीएआर-सीसीएआरआई के निदेशक डॉ ई.बी. चाकुरकर ने गोवा राज्य में किसानों एवं कृषि उद्यमियों को लाभ पहुंचाने के लिए भविष्य की प्रौद्योगिकियों के व्यावसायिक उपयोग और हस्तांतरण की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य किसानों की आय को बढ़ाना, रोजगार के अवसर पैदा करना है।

ताकि स्थानीय जैव-संसाधनों का संरक्षण किया जा सके।

गोवा स्टेट बायोडायवर्सिटी बोर्ड (जीएसबीबी) के सदस्य सचिव डॉ प्रदीप सरमोकदम ने कहा कि राज्य के जैविक संसाधनों के उपयोग के माध्यम से जैव विविधता को संरक्षण देने की दिशा में जीएसबीबी, आईसीएआर-सीसीएआरआई के साथ लगातार काम करता रहेगा। आईसीएआर-सीसीएआरआई द्वारा इस तकनीक को पेटेंट कराने के लिए आवेदन भी कर दिया गया है।

गणतंत्र पर फिल्में देशभक्ति से बिजनेस

भारत में देश की स्वतंत्रता के लिए लड़े गए युद्धों और उनके योद्धाओं पर बहुत सी फिल्में बनी है लेकिन यह युद्ध अपने राज्यों को बचाने के लिए विदेशी आक्रमणकारियों के विरुद्ध लड़े गए थे। ऐसी ही फिल्म पृथ्वीराज में अक्षय कुमार अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान की भूमिका कर रहे है। अगर, कोरोना का प्रकोप न होता तो यह फिल्म अब तक प्रदर्शित हो चुकी होती ये फिल्में ऐतिहासिक चरित्र पर है तो कुछ काल्पनिक चरित्रों के माध्यम से कही गई है। भारत को स्वतंत्र गणराज्य बनाने के लिए हुए संग्राम और उनके सेनानियों पर फिल्में इस मायने में महत्वपूर्ण हैं कि इनमे देश को अंग्रेजो से स्वतंत्र करवा कर, गणतंत्र बनाने की बात थी। महात्मा गांधी और पंडित नेहरु का सपना पूरा हुआ। सुभाष, पटेल, आदि भी सेनानी थे। इन सबके जीवन पर कैसी कैसी फिल्में बनी, इनकी झलक-

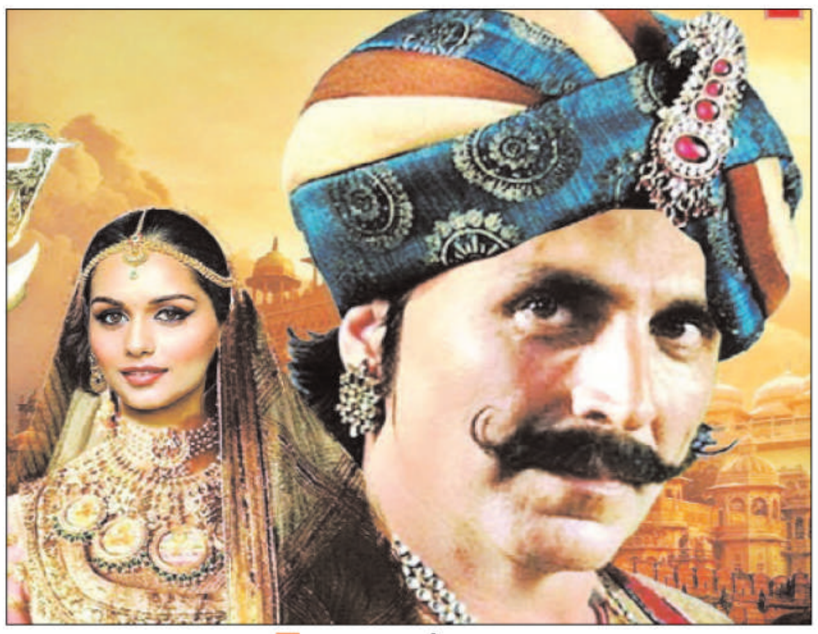

■ अल्पना कांडपाल

लक्ष्मीबाई, तात्या, मंगल पाण्डेय - भारत को स्वतंत्र करने की पहली शुरुआत 1857 हो चुकी थी। इसका नेतृत्व झांसी की रानी लक्ष्मीबाई कर रही थी। इस युद्ध में तात्या टोपे, मंगल पाण्डेय आदि भी उनके साथ थे। लक्ष्मी बाई पर पहली फिल्म सोहराब मोदी ने झांसी की रानी, अभिनेत्री महताब के साथ बनाई थी। इसके अलावा कंगना रानौत की मणिकर्णिका द क्वीन आफ झांसी भी उल्लेखनीय रही। पहले स्वतंत्रता संग्राम पर आमिर खान की मंगल पाण्डेय द राइजिंग 2005 में प्रदर्शित हुई थी। दूसरे सेनानी तात्या टोपे पर फिल्म 1857 तात्या टोपे के निर्देशक एस के शाम द्वारा बनाए जाने की खबर थी।

महात्मा गांधी- महात्मा गांधी पर बायोपिक फिल्में भी बनाई गई है और उनकी शिक्षाओं पर भी। रिचर्ड

एटनबरो की फिल्म गांधी (1983) को पूरी दुनिया में सराहना मिली। फिल्म में गांधी की भूमिका बेन किंग्सले कर रहे थे। द गांधी मर्डर, नाइन आवरस टू रामा थी। 1953 की अमेरिकी वृत्तचित्र महात्मा गांधी द ट्वेंटिएथ सेंचुरी प्रोफेट में गांधी और उनकी शिक्षा की पड़ताल की गई थी। महात्मा द लाइफ आफ गांधी और द मेकिंग आफ द महात्मा में गांधी के जीवन पर प्रकाश डाला गया था। गांधीगिरी और लगे रहो मुन्नाभाई गांधी की शिक्षाओं सत्य और अहिंसा पर थी। फिरोज अब्बास खान की फिल्म गांधी माय फादर गांधी और उनके बेटे के संबंधो पर थी। ए बालकृष्णन की वेलकम बेक गांधी में यह दिखाने की कोशिश की गई थी कि यदि आज गांधी जीवित होते तो उनकी क्या प्रतिक्रिया होती। गांधी टू हिटलर गांधी के हिटलर को लिखे गए पत्रों पर आधारित थी।

सुभाषचन्द्र बोस- बोस के जीवन पर बहुत सी फिल्में हिंदी और बांगला भाषा में बनी है। इनमे सुभाषचन्द्र (1966), नेताजी सुभाषचन्द्र बोस (1966), नेताजी सुभाषचन्द्र बोस द फारगाटन आर्मी (2002), बांगला फिल्म अमी सुभाष बोल्छी (2011), सीरीज बोस डेड ऑर अलाइव (2017) और गुमनामी (2019) के नाम उल्लेखनीय है। गुमनामी में नेताजी की रहस्यमय मौत पर रोशनी डाली गई थी।

चन्द्र शेखर आजाद- भगत सिंह के समकालीन चन्द्र शेखर आजाद पर कम फिल्में ही बनी है। भगत सिंह के साथी सुखदेव और राजगुरु को भी फिल्मकारों ने भुला सा दिया है। आजाद पर फिल्म चंद्रशेखर आजाद (1963) में शीर्षक भूमिका पी जयराज ने की थी। फिल्म 23 मार्च 1931 शहीद में आजाद की भूमिका में सनी देओल खूब तालियां बटोरी। राजेश मित्तल की फिल्म शहीद चन्द्र शेखर आजाद का भी जिक्र है। निर्देशक राजा रणदीप गिरी की फिल्म हीरो आफ द नेशन चन्द्र शेखर आजाद का जिक्र आईएमडीबी में मिलता है। मशहूर बैनर बाम्बे टाकीज ने 2018 में चन्द्र शेखर आजाद पर फिल्म राष्ट्रपुत्र बनाए जाने की घोषणा की थी पर यह फिल्म घोषणा से आगे नहीं जा सकी।

दक्षिण के सेनानी- रायलसीमा आंध्र प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी उय्यालावाडा नरसिम्हा रेड्डी पर फिल्म सये रा नरसिम्हा रेड्डी का निर्देशन सुरेंदर रेड्डी ने किया था। इसमे शीर्षक भूमिका चिरंजीवी ने की थी। 1920 के दशक के स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू पर इसी टाइटल के साथ तेलुगु फिल्म का निर्माण वी रामचंद्र राव ने 1974 में किया था। अभिनेता कृष्णा ने शीर्षक भूमिका की थी। इसी स्वतंत्रता सेनानी पर, एसएस राजामौली ने फिल्म आरआरआर का निर्माण किया है। इस भूमिका को रामचरण कर रहे है पर यह फिल्म कल्पना की उड़ान ज्यादा है।

स्वतंत्रता संग्राम पर फिल्में- हालांकि, स्वतंत्रता के ठीक बाद दिलीप कुमार की फिल्म शहीद (1948) को भगत सिंह से जोड़ा जाता है परन्तु यह फिल्म काल्पनिक स्वतंत्रता सेनानी युवा की प्रेम त्रिकोण फिल्म थी। रमेश सहगल की फिल्म समाधी इंडियन नेशनल आर्मी के सिपाही पर थी। इसमें नेताजी सुभाषचंद्र बोस के विचारों का चित्रण हुआ था। निर्देशक कबीर खान की फिल्म द फारगाटन आर्मी आजादी के लिए तिग्मांशु धुलिया की फिल्म राग देश बोस के जीवन पर नहीं थी। यह 1944 में इंडियन नेशनल आर्मी के तीन सैनिकों पर चले मुकदमे पर फिल्म थी, इसमें बोस के चरित्र को भी दिखाया गया था। 1930 के चटगाव विद्रोह पर दो फिल्में चटगाव (2012) और खेले हम जी जान से (2010) का निर्माण हुआ था। निर्देशक बेदब्रता पैन की फिल्म चटगांव मे क्रन्तिकारी सूर्यसेन की भूमिका मनोज बाजपेई ने की थी, जबकि आशुतोष गोवारिकर की फिल्म खेले हम जी जान से में यह भूमिका अभिषेक बच्चन ने की थी। दोनों ही फिल्में असफल हुई थी। श्याम बेनेगल की फिल्म जूनून (1978) का निर्माण शशिकपूर ने किया था और वह मुख्य भूमिका में भी थे। 1942 अ लव स्टोरी में भी स्वतंत्रता संग्राम था। मनोज कुमार की सितारा बहुल फिल्म क्रांति में भी स्वतंत्रता संग्राम का चित्रण हुआ था। ■

कुछ अन्य सेनानी - सावरकर पर निर्देशक वेद राही ने फिल्म वीर सावरकर का निर्माण किया था। भूमिका शैलेन्द्र गौर ने की थी। सरदार पटेल पर फिल्म पटेल का निर्माण केतन मेहता ने परेश रावल के साथ किया था। सरदार उधम सिंह पर फिल्म शहीद उधम सिंह मे राज बब्बर ने और उधम सिंह में विक्की कौशल ने सरदार उधम सिंह की भूमिका की थी।

भगत सिंह- शहीद भगत सिंह पर भी अच्छी फिल्में बनाई गई है। इनमे मनोज कुमार की फिल्म शहीद विशेष चर्चित हुई थी। इसमें मनोज कुमार ने भगत सिंह की भूमिका की थी। भगत सिंह की भूमिका फिल्म शहीद भगत सिंह (1963) में शम्मी कपूर ने की थी। 2002 में शहीद भगत सिंह पर पांच फिल्में बननी शुरु हुई थी लेकिन, रिलीज हुई सिर्फ तीन फिल्में अजय देवगन को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार दिलाने वाली फिल्म द लीजेंड आफ भगत सिंह, बाबी देओल की भगत सिंह की भूमिका वाली फिल्म 23 मार्च 1931 शहीद और सोनू सूद की शहीद ए आजम एक ही दिन प्रदर्शित हुई थी। सबसे ज्यादा सफल अजय देवगन की फिल्म ही हुई।

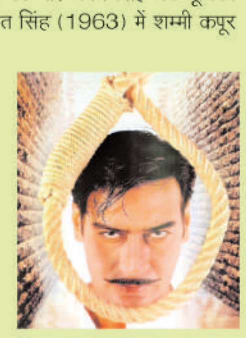

अप्रैल में आरआरआर

सुनने में आ रहा है कि एसएस राजामौली निर्देशित अखिल भारतीय फिल्म आरआरआर अप्रैल 2022 में प्रदर्शित हो सकती है, शायद ईद वीकेंड पर। अगर ऐसा होता है तो फिल्म के 29 अप्रैल को प्रदर्शित होने की पूरी आशा है। यह तिथि और महीना लाभकारी है क्योंकि, राजामौली की बड़ी हिट फिल्म बाहुबली द कांक्लुजन 28 अप्रैल 2017 को प्रदर्शित हुई थी। दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म एवेंजरस एन्डगेम भी 22 अप्रैल 2019 को प्रदर्शित हुई थी। बाहुबली 2, जहां भारतीय फिल्म उद्योग के लिए, वही एन्डगेम हालीवुड के लिए सबसे बड़ी हिट फिल्म हिट साबित हुई थी। इसलिए अनुमान है कि बाहुबली डायरेक्टर की आरआरआर भी भारत की सबसे बड़ी हिट फिल्म साबित हो।

कार्तिक को झटका

कार्तिक आर्यन को जोर का झटका धीरे से लगा है। उनकी फ्लोर पर फिल्म शहजादा तेलुगु फिल्म अला वैकुठपुररामुलू की हिंदी रीमेक है। इधर इसकी शूटिंग शुरू हुई, उधर अल्लू अर्जुन की तेलुगु की हिंदी में डब फिल्म पुष्पा द राइज पार्ट 1 हिंदी बेल्ट में सुपरहिट हो गई। इसके बाद, अल्लू अर्जुन, हिंदी बेल्ट के नए सुपरस्टार की तरह उभरे। यह भांप कर शहजादा के निर्माताओं ने इसके हिंदी अधिकार रखने वाले गोल्ड माइंस के मनीष शाह को प्रस्ताव किया कि वह अला वैकुठपुररामुलू को शहजादा से पहले हिंदी में डब कर न रिलीज करें। इसके लिए कथित तौर पर शाह को 8 करोड़ का प्रस्ताव किया गया। कार्तिक और कृति सेनन के लिए धीरे से लगा जोर का झटका है कि अला वैकुठपुररामुलू सिनेमाघरों के लिए न केवल हिंदी में डब की जाएगी, बल्कि यह 26 जनवरी को सिनेमाघरों में प्रदर्शित भी की जाएगी।

नकारात्मक भूमिका में तब्बू

तब्बू के अभिनय करियर पर नवीनतम समाचार है कि वह अजय देवगन के साथ तमिल फिल्म कैदी की रीमेक फिल्म भोला में कैमरा साझा करेंगी। यह उनकी हालिया घोषित दूसरी फिल्म होगी, जो देवगन के साथ होगी। इससे पहले दृश्यम 2 में भी तब्बू को पुलिस अधिकारी की भूमिका करने की खबर आई थी। आकाश भारद्वाज की फिल्म कुत्ते में भी तब्बू की भूमिका दिलचस्प है। दृश्यम में आईजी पुलिस की भूमिका करने वाली तब्बू इसमें पुलिस कांस्टेबल है। दिलचस्प है कि अन्धाधुन के बाद, तब्बू फिर नकारात्मक चरित्र करती दिखाई देंगी। तब्बू की अभिनय क्षमता की प्रशंसक मृणाल ठकुर भी है। वह आदित्य राय कपूर के साथ तमिल फिल्म ताडम के हिंदी रीमेक मे पुलिस अधिकारी की भूमिका कर रही हैं। उन्होंने तब्बू की दृश्यम की भूमिका से प्रेरणा ली।

देसी म्यूजिक फैक्ट्री की सेल्फी

दिल को करार आया, नेहु दा व्याह, लैला, चाकलेट और ख्याल रख्या कर, कोका कोला , धीमे धीमे जैसे कई सारे चार्टबस्टर्स देने वाली देसी म्यूजिक फैक्ट्री धर्मा प्रोडक्शन्स की कामेडी ड्रामा 'सेल्फी' से फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रही है। सेल्फी, सुपरहिट मलयालम फिल्म 'ड्राइविंग लाइसेंस' की रीमेक है। इसमें अक्षय कुमार और इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। निर्देशक राज मेहता करेंगे।

हारर से 'कोल्ड' अक्षय

अक्षय ओबेराय ने विक्रम भट्ट की हारर ड्रामा 'कोल्ड' की शूटिंग पूरी कर ली है। कोल्ड अक्षय ओबेराय के करियर की दूसरी हारर फिल्म है। फिल्म इसी लाइफ में से अपने फिल्म करियर की शुरुआत करने वाले अक्षय को हारर फिल्म पिज्जा ने बतौर अभिनेता पहचान दिलाई थी। अक्षय को हारर फिल्में करना काफी पसंद है। कोल्ड' को महेश भट्ट ने लिखा है और विक्रम भट्ट ने निर्देशित किया है। इस हारर ड्रामा में अक्षय ओबेराय के साथ कन्नड़ अभिनेत्री ऐंद्रिता रे मुख्य भूमिका कर रही है। 'कोल्ड' 2023 तक सिनेमाघरों प्रदर्शित होगी । अक्षय की तमिल फिल्म 'थिरुट्टू पयाले 2' के हिंदी रीमेक वो दिल है ग्रे' में भी दिखाई देंगे।

■ अ. कां.

टीवी

पैरेंटिंग जिंदगीभर का काम है : अभिषेक

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के जिंदगी से भरे ड्रामा 'कामना' ने अभिषेक रावत मानव बाजपेई के रोल है। अभिषेक रियल लाइफ में भी पति और ख्याल रखने वाले पिता हैं। कामकाजी पैरेंट होने के नाते अभिषेककाम में व्यस्त रहते हैं, लेकिन हमेशा सुनिश्चित करते हैं कि वो अपनी बेटी के साथ बढ़िया वक्त गुजारें। अभिषेक ने कहा, मैं रियल लाइफ में भी प्यारी-सी खूबसूरत बच्ची का बाप हूं। पैरेंट होना वाकई आशीर्वाद की तरह है और मैं यह बात अच्छी तरह समझता हूं कि अपने बच्चों के मामले में मां-बाप किस तरह की भावनाओं से गुजरते हैं। मैं यह भी मानता हूं कि अपने बच्चों की परवरिश के लिए मां-बाप को बहुत-सी चीजें सीखनी पड़ती है और सीखी हुई चीजें भुलानी पड़ती है। पैरेंटिंग जिंदगी भर का काम है, जो बच्चे के बड़े हो जाने के बाद भी खत्म नहीं होता।

संगीत में अमाल के 8 साल

अमाल मलिक ने संगीत इंडस्ट्री अपने 8 साल पूरे किए हैं। इन्होंने सलमान खान अभिनीत फिल्म 'जय हो' के लिए 3 गानों को कंपोज्ड किए है। अमान वेस्टर्न क्लासिकल, जैज और राक की पढ़ाई ट्रिनिटी कालेज से की है। इंडियन क्लासिकल म्यूजिक की शिक्षा अपने दादा सरदार मालिक के मार्गदर्शन में ली। अमाल का कहना है यह अद्भुत है और इसके प्रति मेरा आभार ही मुझे और शक्तिशाली बनाता है । मैं माता-पिता, गुरु, प्रशंसकों और श्रोताओं का धन्यवाद करता हूं। जश्न मनाने के लिए जितना धन्यवाद करू उतना कम है।

खुशमिजाज बेनाफ दादाचंदजी

बेनाफ दादाचंदजी सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के 'धड़कन जिंदगी की' में डा. विक्रांत सक्सेना की पत्नी डा. अदिति का किरदार निभाएंगी, जो ट्विस्ट्स और टर्न्स लेकर आएंगी। उन्होंने कहा, अदिति में बहुत-सी परतें हैं, जो इसको चुनौतीपूर्ण बनाती हैं। मेरा किरदार प्यारी, विनम्र और खुशमिजाज महिला है, जिसे उसके पति ने बंद कर रखा है। उम्मीद है कि मेरी परफार्मेंस का मजा लेंगे।

टाम एंड जेरी जैसा रिश्ता : ऐतशा

ऐतशा संझगिरी, सोनी टीवी की ड्रामा सीरीज पुण्यश्लोक अहिल्याबाई में अहिल्याबाई के रोल कर रही हैं। प्रस्तुत है ऐतशा से हुई चर्चा -

शो का एक साल - शो को एक साल पूरा हो गया। मैंने लीप के बाद शो में एंट्री ली थी, परिवार की तरह सेलिब्रेट कर रहे हैं। हम एक-दूसरे की मदद करते हैं और जिंदगी के उतार-चढ़ाव में एक-दूसरे के साथ रहते हैं। मैं यहां अच्छी तरह से ढल गई हूं और मैंने चीजों को बेहतर ढंग से समझा है।

सह-कलाकार गौरव - पहले तो वो मुझे बहुत सख्त और गंभीर इंसान लगे, न कि कोई मजाकिया या मजेदार बात करने वाले व्यक्ति वो ऐसे व्यक्ति के रूप में सामने आए, जिसके सामने आप किसी बात का मजाक उड़ाने से पहले दो बार सोचेंगे। वो खुलकर मजाक करने लगे। सेट पर लोगों की नकल करते रहते है और सभी का मनोरंजन करते रहते है। मेरी टांग खीचते है और शरारतें करते रहते है। हमारे बीच झगड़े होते है और हमारा टाम एंड जेरी जैसा रिश्ता है। लेकिन वो बहुत मददगार और सपोर्टिव को-एक्टर हैं, हमारे बीच बढ़िया दोस्ती है।

दिल के बहुत करीब - अहिल्याबाई की कहानी दुखद है, लेकिन यह बहुत पवित्र है। वो लोगों की मदद करना चाहती है। जब अहिल्याबाई की सहेली रेणु को पुनर्विवाह की इजाजत मिली और वो अहिल्या को छोड़कर जाने के लिए तैयार थी, जिसके साथ वो रहती थी। अब वो शादी के बाद नई जिंदगी की शुरुआत करने जा रही है, जिसके बारे में उसने सोचा था कि ऐसा कभी नहीं होगा। ऐसे कई दृश्य है, जो दिल छू लेने वाले है, खासकर वो दृश्य जहां गौरव शराब नहीं छोड़ सकता। सास-ससुर के साथ मेरे शाट्स भी खास है।

■ माया

रसिका ने मनाया जन्मदिन

वेब सीरीज मिर्जापुर से अभिनय का जादू फैलाने वाली रसिका दुग्गल हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में सीरीज 'स्पाइक' के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग में व्यस्त है। रसिका ने

अपना जन्मदिन मनाया। रसिका का कहना है, अपने जन्मदिन के मौके पर मैं पहाड़ों के बिच हूं, स्पोर्ट्स सीरीज में मुख्य भूमिका निभाने को लेकर मैं बहुत उत्सुक हूं। इससे अधिक मुझे और क्या चाहिए।

ताहिर ताकत और हौसला मिला

एक्टर तातहर राज भसीन हाल ही में रिलीज शो 'ये काली काली आंखें' का नाम शाहरुख की 'बाजीगर' के चार्टबस्टर ट्रैक की पंक्तियों पर रखा गया है। ताहिर कहते हैं, मेरे खयाल से शाहरुख न केवल मेगास्टार हैं बल्कि इमोशन भी हैं। जब मैं इस शहर में आया तो बालीवुड में किसी भी को नहीं जानता था। मुझे जो चीज प्रेरित करती है। वह है दर्शकों का प्यार और भरोसा, जो मुझे क्लटर-ब्रेकर के रूप में देखना चाहते हैं।

फायर सीक्वेंस की शूटिंग

सोनी सब के शो 'शुभ लाभ- आपके घर में' में खतरनाक फायर सीन में अदिति (माही शर्मा) फंस जाएगी, जहां आग लगी। सविता (गीतांजली तिकेकर) माही को बचाने के लिए दौड़ी। गीतांजली ने कहा, मैंने पहली बार कोई स्टंट किया है। लेकिन यह अनुभव पहले से अलग था। आग के साथ खेलना कोई अच्छा आइडिया नहीं है। मैं डरी हुई थी। माही शर्मा ने कहा, मुझे कभी स्टंट करने का मौका नहीं मिला। यह फायर स्टंट मेरा पहला था, इसलिए मैं रोमांचित थी और नर्वस भी। मुझे बचपन से ही आग से डर लगता है।

नजरों का धोखा या हमशक्ल

सोनी सब का मूल्यों पर आधारित शो 'मैडम सर' गुल्की जोशी का नए अवतार में स्वागत करने जा रहा है। जिंदादिल लड़की उर्मिला से एसएचओ हसीना मलिक से उलट मुंहफट और तीखी मिर्ची है, लोकल स्ट्रीट वेंडर है। गुल्की जोशी ने कहा, मेरे लिए बेहतरीन मौका है, मैं एक्सपेरिमेंट करूंगी। उर्मिला हसीना से एकदम उलट है और रोमांचक ट्विस्ट्स और टर्न्स लेकर आएगा।

सुमित ने की संतुलन बनाने की बात

सोनी सब के शो 'वागले की दुनिया- नई पीढ़ी नए किस्से' ने राजेश (सुमीत राघवन) की जिंदगी ही बदल गई है। सुमीत ने कहा, मैं सोचता हूं कि आपको अपनी जिंदगी और परिवार के लिए समय निकालना चाहिए, क्योंकि मैंने हमेशा यही किया है। कोई शौक रखना जरूरी है। संगीत निश्चित तौर पर जादुई है और मेरे लिए बेस्ट थेरैपी भी। मैं अपने हारमोनियम को मेक-अप रूप में हमेशा अपने साथ रखता हूं, क्योंकि वह शांत रहने और तरोताजा होने में मेरी मदद करता है। मेरे लिए घर का मतलब हमेशा से अपने परिवार, बच्चों और पालतू जानवरों के साथ समय बिताने से रहा है। मेरे दोनों बच्चे बड़े हो चुके है और उनकी अपनी जिंदगी है। मेरी पत्नी एक्टर हैं और उनका पेशा मेरी तरह होना मेरा सौभाग्य है।

हम भरपूर खुशियां दें : अमित

गुडनाइट इंडिया का कान्सेप्ट अहम है, और मुझे वास्तव में लेट-नाइट शो लाने का आइडिया बहुत पसंद आया जो लोगों को खुश करेगा और उन्हें अपने चेहरों पर मुस्कुराहट के साथ सोने में मदद करेगा। सोनी सब परिवार के साथ जुड़कर बहुत अच्छा लग रहा है। मेरी खासियत है यानी परिवारों के लिए कंटेंट बनाना। हम भारत का गो-टु रातवाला फैमिली शो लेकर आ रहे है। टेलीविजन पर मैं पहली बार काम कर रहा हूं। मैं यह पूरी प्रोसेस सीखने के लिए बहुत रोमांचित हूं। मैं सिर्फ लाइव आडियंस से बातें नहीं करूंगा बल्कि कैमरा के जरिए लाखों लोगों तक पहुंच सकूंगा। मुझे वाकया याद है जब एक कपल शो के लिए आया और बताया कि जब भी हमारी लड़ाई होती है, हम बस बैठ जाते हैं और आपका वीडियो देखते है और साथ मिलकर खूब हंसते है। मुझे अपने आस-पास मौजूद लोगों को ध्यान से देखने के दौरान हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से अपने स्केचेज के लिए प्रेरणा मिलती है। लाइव परफार्म करने की चुनौती है कि आपको कभी नहीं पता होता कि आपके साथ क्या होने वाला है। कभी-कभी लोग प्रतिक्रिया देंगे और कभी-कभी ऐसा नहीं होगा। लाइव शोज के साथ कई अज्ञात घटक एवं चुनौतियां होती हैं, जिसमें हर शो अप्रत्याशित है, अलग है और इसमें सिंगल स्क्रिप्ट नहीं होती जिसे आप बार-बार इस्तेमाल कर सकते हो। अपने टाइमिंग पर काफी कठिन मेहनत करनी होती है, क्योंकि आमतौर पर, लाइव शोज के दौरान ज्यादातर प्रेरणा उस कमरे की एनर्जी से मिलती है जहां परफार्म कर रहे हैं। रूम में मूड बदलने के साथ ही टाइमिंग भी बदल जाती है। पिछले दो साल वाकई बहुत चुनौतीपूर्ण रहे है, मेरा मानना है कि अपनी फैमिली के साथ रहने के कारण ही मैं आगे बढ़ता रहा, बीते दो सालों में मैं उनके और करीब आ गया हूं।

■ विमला

शिक्षक पात्रता परीक्षा में पकड़ा गया साल्वर गिरोह का सदस्य

मुरादाबाद के चार सेंटर पर साल्वर बैठाने की थी तैयारी

मुरादाबाद। शिक्षक पात्रता परीक्षा में एक बार फिर साल्वर गिरोह निगाह लगाकर बैठा था, लेकिन मामले की जानकारी लगते ही एसटीएफ ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद परीक्षा में बैठने के लिए आ रहे साल्वर स्टेशन में उतरने के बाद गायब हो गए। पकड़े गए आरोपित को गिरफ्तार कर बरेली एसटीएफ यूनिट के अधिकारी आरोपित से पूछताछ कर रहे हैं। एसटीएफ बरेली यूनिट ने टीईटी में साल्वरों को बुलाने वाले सोनू पाल निवासी भगतपुर को तड़के मुरादाबाद स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपित पूर्व में भी 11 अगस्त 2021 को गिरफ्तार किया गया था। उस दौरान नौ लोगों को एसटीएफ ने गिरफ्तार करके जेल भेजा था। रविवार को मुरादाबाद के साथ ही प्रदेश के अन्य जनपदों में शिक्षक पात्रता परीक्षा चल रही थी। पकड़े गए आरोपित ने अलग-अलग सेंटर अभ्यर्थियों की जगह साल्वरों को बिठाने का ठेका लिया था। सर्विलांस की मदद से पुलिस ने आरोपित की बातचीत को रिकार्ड करने के बाद रविवार सुबह करीब चार बजे मुरादाबाद स्टेशन से गिरोह के सरगना सोनू पाल को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि सरगना के गिरफ्तार होते ही दूसरे राज्य से आए साल्वर आने से पहले ही गायब हो गए। पकड़े गए आरोपित ने पूछताछ में बताया कि उसने चार स्कूलों में परीक्षा में बैठने के साल्वरों को बुलाया था। इन चार स्कूलों में जब एसटीएफ की टीम जांच करने के लिए पहुंची तो चारों अभ्यर्थी अनुपस्थित पाए गए। आरोपित ने बताया कि उन्हें स्टेशन से साल्वरों को लेकर उनके सेंटर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी थी। एसटीएफ के अधिकारियों ने बताया कि रविवार को बरेली,गोरखपुर, देवरिया, वाराणसी, सिद्धार्थ नगर के साथ ही अन्य जनपदों में साल्वरों को पकड़ने के लिए छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। सिविल लाइंस प्रभारी रवींद्र प्रताप सिंह ने बताया कि साल्वर गिरोह के एक आरोपित को पकड़ा गया है। पुलिस के साथ ही एसटीएफ के अधिकारी पकड़े गए आरोपित से पूछताछ कर रहे हैं। जल्द ही अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी होगी। तेज बारिश के बीच शिक्षक पात्रता परीक्षा शुरू हुई। दोनों पाली में शिक्षक पात्रता परीक्षा में सम्मलित होंगे 34,357 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। पहली पाली में 39 परीक्षा केंद्रों पर टीईटी शुरू हुई। लेकिन, कई परीक्षा केंद्रों पर बीएड व बीटीसी की छायाप्रति प्रमाणित न होने पर रोक दिया गया। इससे छात्रों का हंगामा भी हुआ। एसएस चिल्ड्रन अकादमी में करीब 12 परीक्षार्थियों को छायाप्रति प्रमाणित न होने पर रोका, जिससे परीक्षार्थियों को परेशानी हुई। आरएन इंटर कालेज में भी कई परीक्षार्थी बिना छाया प्रति प्रमाणित नहीं होने पर परेशान हुए। करीब 10:15 बजे से प्रार्थना पत्र लिखवाने के बाद उनको एंट्री दी गई। पहली पाली में 19862 और दूसरी पाली में 14495 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा केंद्रों पर केंद्र व्यवस्थापकों, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट की कड़ी निगरानी रही। सीसीटीवी की निगरानी में परीक्षा हो रही है। नवंबर में टीईटी पेपर लीक होने के कारण रद हो गई थी। अबकी बार नकलविहीन टीईटी कराने को पहले से ज्यादा सख्ती बरती गई। पर्यवेक्षकों ने भी परीक्षा केद्रों का निरीक्षण किया। केंद्रों पर आधा घंटे पहले ही एंट्री बंद कर दी गई। पहली पाली में19862 में 17594 उपस्थित हुए और 2268 गैर हाजिर रहे। कुल 88.58 फीसद परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। डीआइओएस अरुण कुमार दुबे ने बताया कि सभी 39 केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्वक चल रही है। बारिश के कारण परीक्षार्थियों को कुछ आने में दिक्कत हुई। लेकिन, समय से पहुंचने वाले सभी परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया।

ओपिनियन पोल के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची सपा

कहा- टीवी चैनल कर रहे आचार संहिता का उल्लंघन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव को लिए इन दिनों टीवी न्यूज चैनलों पर ओपिनियन पोल की भरमार है। न्यूज चैनलों पर दिखाए जा रहे ओपीनियन पोल का समाजवादी पार्टी ने विरोध किया। इसकी शिकायत लेकर सपा चुनाव आयोग पहुंची है। पार्टी ने चुनाव आयोग से न्यूज चैनलों पर दिखाए जा रहे अपीनियन पोल पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा है कि इससे मतदाता भ्रमित हो रहे हैं। यह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। समाजवादी पार्टी चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 का एलान 8 जनवरी, 2022 को हो गया है। अब पहले चरण का नामांकन भी समाप्त हो गया है। प्रदेश में सात चरणों में चुनाव होने हैं। अंतिम चरण 7 मार्च, 2022 को होगा, जबकि मतगणना 10 मार्च, 2022 को है। सपा ने पत्र में आगे कहा है कि कई न्यूज चैनल ओपिनियन पोल दिखा रहे हैं, जिससे मतदाता भ्रमित हो रहा है। इस कारण चुनाव प्रभावित हो रही है। यह कार्य चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। बता दें कि यूपी विधानसभा चुनाव से पहले टीवी चैनलों पर लगातार सर्वे दिखाए जा रहे हैं। दरअसल सर्वे में बीजेपी को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की कही जा रही है। हालांकि सर्वे में सपा को भी मजबूत पार्टी की तरह दिखाया जा रहा है। सपा ने चुनाव से इस तरह के सर्वे पर रोक लगाने की मांग की है। चुनाव आयोग ने मांग की है कि यूपी में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराने के लिए ओपिनियन पोल पर तुरंत रोक लगाई जाए।

बागपत का लाल अनुज द्रास सेक्टर में शहीद, पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की तैयारी

बागपत। लद्दाख के द्रास सेक्टर में ड्यूटी के दौरान बर्फ में दबने से खपराना गांव के सैनिक अनुज कुमार पुंडीर शहीद हो गए। चंडीगढ़ आर्मी हॉस्पिटल से सैनिक का पार्थिव शरीर गांव में पहुंचा। सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। बिनौली क्षेत्र के गांव खपराना गांव निवासी 26 वर्षीय अनुज कुमार पुंडीर पुत्र अशोक वर्ष 2015 में सेना में भर्ती हुए थे। वे इस समय लद्दाख के द्रास सेक्टर सेना की 11 ग्रेनेडियर्स यूनिट में सिपाही के पद पर तैनात थे। स्वजन ने सेना के अधिकारियों से मिली जानकारी के आधार पर बताया कि करीब बारह दिन पूर्व ड्यूटी करते समय बर्फ की ढांग गिरने से कई सैनिक दब गए थे। जिसमे अनुज को गंभीर हालत में चंडीगढ़ के आर्मी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। जहां कई दिनों से इलाज चल रहा था। शनिवार देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। अनुज कुमार पुंडीर की चार वर्ष पूर्व प्रियंका चौहान से शादी हुई थी। उनका एक ढाई वर्ष का पुत्र किट्टू है। सैनिक अपने दो भाई व एक बहन के परिवार में सबसे बड़े थे। उनके पिता अशोक की एक वर्ष पूर्व कैंसर से मौत हो गयी थी। चंडीगढ़ से सैनिक का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव खपराना पहुंचा। शव पहुंचते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गयी। उनका पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

बीवी के लिए दोस्त का कत्ल, बहाने से श्मशान घाट ले जाकर उतारा मौत के घाट व गंगा में बहाया शव

कानपुर। जूही में रहने वाले एक युवक ने बीवी की इज्जत के लिए दोस्त का कत्ल कर दिया। पत्नी पर की गई बातें उसे बर्दाश्त नहीं हुईं और बहाने से दोस्त को श्मशान घाट ले जाकर गोली मारकर मौत के घाट उतारने के बाद आधी रात शव गंगा नदी में बहा दिया। भैरव घाट पर गोली चलने की आवाज सुनकर पहुंचे लोगों ने आरोपित युवक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार करके घटना की छानबीन शुरू की है। एसीपी कर्नलगंज त्रिपुरारी पांडे ने बताया कि जूही निवासी विपिन निगम का बैग बनाने का कारखाना है, जो वह अपने ही मकान पर संचालित करता है। कारखाने में सुल्तानपुर के मेहरुबा गांव निवासी सुनील सिंह का भांजा शुभम सिंह भी बैग बनाने का काम करता था। सुनील से विपिन की गहरी दोस्ती है और उसका कारखाने में भांजे के पास आना रहता था। इसलिए वह अक्सर विपिन के घर भी जाने लगा था। शनिवार शाम भी विपिन से मिलने सुनील आया था और दोनों ने खूब शराब पी थी। इस बीच बीवी को लेकर कही गई बात से नाराज विपिन बहाने से सुनील को श्मशान घाट पर ले गया, जहां उसे गोली मार दी। रात में गोली की आवाज सुनकर कड़ाके की ठंड में आसपास के लोग पहुंचे तबतक विपिन ने सुनील की हत्या के बाद शव गंगा में फेंक दिया। लोगों ने विपिन को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर आई पुलिस उसे पकड़कर थाने ले गई। पुलिस की पूछताछ में विपिन ने आरोप लगाते हुए बताया कि सुनील अक्सर पत्नी के बारे में अश्लील टिप्पणी किया करता था। इसे लेकर उसने कई बार मना किया था लेकिन वह नहीं मानता था। शनिवार की रात भी शराब पीने के बाद सुनील पत्नी को लेकर अश्लील टिप्पणियां कर रहा था, इससे उसे बहुत गुस्सा आया। भैरव जी के दर्शन कराने के बहाने रात करीब 3:30 बजे वह सुनील को लेकर श्मशान घाट पहुंचा और उसके सिर से सटाकर गोली मार दी। उसका शव गंगा नदी में फेंक दिया। एसीपी त्रिपुरारी पांडेय के मुताबिक गोली चलने की आवाज सुनकर घाट पर मौजूद लोगों ने विपिन को पकड़कर पुलिस के हवाले किया है। सुनील का शव भी बाहर निकाला गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कैबिनेट मंत्री अनुराग ठाकुर का तंज, 10 मार्च को अखिलेश यादव कहेंगे- ईवीएम बेवफा है

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को डोर टु डोर प्रचार में समाजवादी पार्टी के नारे 'नई सपा है...' पर तंज कसते हुए कहा कि ये वही सपा है, जिससे जनता खफा है और 10 मार्च के बाद अखिलेश यादव कहेंगे कि ईवीएम बेवफा है। उन्होंने भाजपा में शामिल हुईं अपर्णा यादव, अदिति सिंह और संयुक्ता भाटिया के साथ प्रचार करते हुए बयान दिया कि अखिलेश यादव हर रोज प्रेस कांफ्रेंस तो करते हैं पर सपा के प्रत्याशियों की पहली सूची आने के बाद दूसरी सूची नहीं आई है क्योंकि इस लिस्ट में 'जेल वाले हैं या फिर बेल वाले...', सपा गठबंधन वाले नजर नहीं आ रहे हैं। जनता सपा का राज भूली नहीं है इसलिए प्रत्याशियों को छिप-छिपकर टिकट दिए जा रहे हैं। उन्होंने सपा द्वारा 300 यूनिट बिजली देने के वादे पर कहा कि वो जब सत्ता में थे तो जनता को निर्बाध बिजली नहीं दे पाए थे और आज फ्री बिजली देने की बात कर रहे हैं। जनता उनका विश्वास नहीं करेगी और 10 मार्च अपनी हार के बाद वह ईवीएम को दोष देते हुए नजर आएंगे। अनुराग ठाकुर के साथ डोर टु डोर कैंपेन में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

टीईटी परीक्षा में उड़ीं कोरोना प्रोटोकॉल की धज्जियां, बिना मास्क के दिखे परीक्षार्थी

लखनऊ। लखनऊ में रविवार को यूपी शिक्षक पात्रता परीक्षा में भारी संख्या में परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। लखनऊ स्थित इस्लामिया कॉलेज में परीक्षा देने आई परीक्षार्थी सोनम ने बताया, "इस कॉलेज में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए टीईटी परीक्षा कराई जा रही है। नकल या परीक्षा संबंधी धोखाधड़ी रोकने के लिए सभी प्रबंध किए गए हैं। सभी परीक्षार्थियों से मास्क लगाने के लिए कहा गया है तथा सैनिटाइजर का प्रयोग करने के लिए कहा गया है।" सर्दी के कारण परीक्षार्थियों और उनके परिजनों को परीक्षा केंद्रों के बाहर सुबह से ही अखबार या चादर बिछाकर कंबल ओढ़कर सर्दी से बचाव करते देखा गया। कुछ अभ्यर्थी और उनके परिजन पास की चाय की दुकानों पर चाय पीते भी देखे गए। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी-टीईटी) 2021 कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रविवार को दो पालियों में आयोजित की जा रही है। कोरोना महामारी के संक्रमण और ओमिक्रॉन के खतरे के बीच, परीक्षा के निर्बाध आयोजन के लिए प्रदेश भर में स्थापित 4,265 केंद्र बनाए गए हैं। जिले के 44 केंद्रों पर रविवार सुबह यूपी टीईटी शुरू हुई। प्रथम पाली में करीब 19 हजार परीक्षार्थी परीक्षा में भाग लिया। परीक्षार्थियों को कड़ी चेकिंग के बाद केंद्रों में प्रवेश मिला। इससे पहले परीक्षार्थी रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा कर केंद्रों तक पहुंचे। केंद्रों पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पहली पाली की परीक्षा 12.30 बजे तक चली। दूसरी पाली की परीक्षा दो बजे से जारी है। डीआईओएस कोमल सिंह यादव के मुताबिक परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है। कुछ परीक्षा केंद्रों पर कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ती दिखाई दीं। परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों की लाइनें लगी थीं। इस दौरान शारीरिक दूरी के नियम का पालन कहीं नहीं दिखा। कई परीक्षार्थी बिना मास्क के दिखे।

किशनी विधायक का फूंका पुतला

मैनपुरी। सपा ने किशनी विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक बृजेश कठेरिया को ही चुनाव मैदान में उतारा है। उनका टिकट घोषित होते ही पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने उनके पुतले फूंके। जबकि समर्थकों ने खुशी मनाई। सुबह पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने कटरा सामान चौराहा के अलावा गांव रैचंद्रा, रैपुरा और बरियार में किशनी विधायक बृजेश कठेरिया का पुतला फूंका। इस बीच गुस्साए कार्यकताओं ने उनके खिलाफ नारेबाजी की।वहीं सपा हाईकमान से प्रत्याशी बदले जाने की मांग की। विरोध प्रदर्शन के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किए गए। वहीं अन्य दावेदारों ने लखनऊ पहुंचकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात कर टिकट बदलने की मांग की। वहीं बृजेश कठेरिया का कहना है कि पार्टी नेताओं और कार्यकताओं व क्षेत्र की जनता में उनका कोई विरोध नहीं है। टिकट के लिए दावेदारी करने वाले सोची समझी साजिश के तहत विरोध करा रहे हैं।

सपा के 'नाम लिखाओ अभियान' पर चुनाव आयोग की नजर, मैनपुरी जिला प्रशासन से मांगी रिपोर्ट

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) के नाम लिखाओ अभियान पर चुनाव आयोग ने मैनपुरी के जिला निर्वाचन अधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने तत्काल मामले में रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए कहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव मैनपुरी की करहल सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में यह मामला गंभीर है। सपा ने विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में 300 यूनिट फ्री बिजली देने की घोषणा की है। इसी से जुड़ी एक याचिका उच्च न्यायालय में की गई है, जिसमें कहा गया है कि सपा द्वारा तीन सौ यूनिट फ्री बिजली के लिए नाम लिखाओ अभियान चलाया जा रहा है। इसमें आधार कार्ड और राशन कार्ड में दर्ज नाम लिखने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

याचिकाकर्ता ने बताया- आचार संहिता का उल्लंघन- याचिकाकर्ता ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस पर उच्च न्यायालय ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से मामले की रिपोर्ट तलब की है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के आदेश पर अपर निर्वाचन आयुक्त डॉ. ब्रह्मदेव राम तिवारी ने जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह से पूरे मामले पर रिपोर्ट मांगी है।मैनपुरी की रिपोर्ट पर चुनाव आयोग की नजर इसलिए भी है क्योंकि यहां से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ऐसे में आयोग की मंशा ये जानने की है कि शिकायत सही है या नहीं।

सपा का मैनपुरी में है वर्चस्व- सपा का मैनपुरी में वर्चस्व जग जाहिर है। बीते चुनाव से पहले जहां चारों विधानसभा सीटें और एक संसदीय सीट सपा के खाते में रही है, तो वहीं बीते विस चुनाव में केवल भोगांव सीट पर ही भाजपा जीत सकी। ऐसे में सपा से जुड़े मामलों को लेकर मैनपुरी अहम है।

आगरा में भाजपा को तगड़ा झटका: विस चुनाव से पहले विधायक जितेंद्र वर्मा ने छोड़ी पार्टी

आगरा। विधानसभा चुनाव में दल बदलने का दौर जारी है। आगरा में फतेहाबाद विधानसभा सीट से वर्तमान भाजपा विधायक जितेंद्र वर्मा ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। जितेंद्र वर्मा सपाई हो गए हैं। विधायक जितेंद्र वर्मा का टिकट कटने के बाद रविवार को वह साइकिल पर सवार हो गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव को इस्तीफा भेजने के बाद लखनऊ में उन्होंने सपा की सदस्यता ग्रहण की। सपा ने जितेंद्र वर्मा को आगरा का जिलाध्यक्ष बनाया है। जितेंद्र वर्मा निषाद समाज से आते हैं। पूर्व में सपा में शामिल रहे वर्मा 2017 में भाजपा के टिकट पर फतेहाबाद सीट से जीते थे। इस बार उनका टिकट कट गया था। भाजपा ने इस बार फतेहाबाद से छोटेलाल वर्मा को टिकट दिया है। छोटेलाल वर्मा दो बार विधायक रह चुके हैं। वह लंबे समय से पार्टी के साथ जुड़े हुए हैं। ग्रामीण विधानसभा सीट पर बदलाव की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन फतेहाबाद पर भी पार्टी ने परिवर्तन करके संदेश दिया कि वह जिताऊ उम्मीदवारों को ही टिकट देगी।

सोशल व इलेक्ट्रानिक मीडिया पर रखें विशेष नजर : डीएम

मऊ। एमसीएमसी के सदस्यों के साथ पेड न्यूज एवं आचार संहिता के उल्लघंन पर निगरानी के संबंध में चर्चा हेतु एमसीएमसी की बैठक जिलाधिकारी अरूण कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि इलेक्ट्रानिक मीडिया, प्रिन्ट मीडिया, सोशल नेटवर्किंग साइटो, पम्पलेट, पोस्टर पर नरज रखे इसपर किसी प्रकार की पेड न्यूज एवं आचार संहिता के उल्लघंन होता है तो तत्काल आरओ को जांच हेतु प्रेषित करे। उक्त अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद स्तर पर एमसीएमसी कन्ट्रोल रूम संचालित है। इसमें 24 घण्टे के लिए कर्मचारी तैनात किये गये है जो आचार संहित के उल्लघंन एवं पेड न्यूज पर निरन्तर नजर रख रहे है। इसमें किसी भी व्यक्ति द्वारा पेड न्यूज एवं आचार संहिता करता उल्लंघन करते हुए पाया जाता है तो सम्बन्धित के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि इस बार विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 का प्रचार-प्रसार वर्चुअल माध्यम से किया जा रहा है इसलिए सोशल एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया पर विशेष कर ध्यान रखे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भानु प्रताप सिंह, नगर मजिस्ट्रेट त्रिभुवन, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ल, आहरण वितरण अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र रामाश्रय यादव, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी भद्री राम विनोद कुमार, आनन्द कुमार उपस्थित रहे।

नहर में मिली युवक की लाश, मचा हड़कंप

दोहरीघाट, मऊ। थाना क्षेत्र अंतर्गत जमीन कुसुम्हा गांव के सामने नहर में शनिवार की सुबह 40 वर्षीय युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना स्थानीय लोगो ने पुलिस को दि। मौके पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त में जुट गई। काफी देर बाद शव की शिनाख्त हो सकी। पुलिस ने शव को शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। प्राप्त सूचना के अनुसार जमीन कुसुम्हा के पास नहर किनारे टहलने निकले लोगो ने नहर मे लाश देखी।यह खबर धीरे धीरे पूरे क्षेत्र में फैल गई। मौके पर काफी संख्या में लोग जुट गए। किसी ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुची ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त में जुट गई। काफी देर बाद खोजबीन करने पर मृत यूवक की पहचान बृजेश यादव पुत्र रामबचन यादव उम्र 40 वर्ष के रूप में हुई। मृत बृजेश यादव का पत्नी से काफी समय से विवाद चल रहा था। वही बृजेश काफी समय से शराब का भी सेवन करता था। मृतक का एक सात वर्ष लड़का जिसका नाम मोहन वह भी काफी समय से माँ के साथ ननिहाल में ही रहता है। वही स्थानीय लोगो का कहना है कि ससुराल वालो से झगड़ा हुआ होगा जिसके बाद यह घटना घटी है। वही कुछ लोगो ने बताया कि हो सकता है कि यह शराब के नशे में नहर में गिर गया होगा। जिससे इसकी मृत्यु हो गई। वही समाचार लिखे जाने तक किसी ने कोई तहरीर नही दी थी। इस सम्बंध थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि नहर में शव मिला है जिसको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। किसी ने कोई तहरीर नही दी है, लेकिन घटना के कारणों का जांच की जा रही है। जल्द ही घटना के कारणों का खुलासा किया जाएगा।

एटीएम बदलकर पैसा निकालने वाले गिरोह के 3 बदमाश गिरफ्तार

दोहरीघाट, मऊ। एटीएम से पैसा निकालने वाला गिरोह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। शनिवार को सुबह मुखबिर की सूचना पर दोहरीघाट चैहान चैक पर पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट अपाचे गाड़ी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। प्रद्युम्न यादव पुत्र रमाशंकर यादव निवासी जमवारी थाना घोसी संदीप कुमार पुत्र स्वर्गीय राजाराम भिखारीपुर घोसी प्रदीप कुमार पुत्र राम प्यारे जिगना थाना घोसी को पुलिस गिरफ्तार कर ली। जिनके पास से यूनियन बैंक के 10 एटीएम, स्टेट बैंक के तीन एटीएम, इलाहाबाद बैंक का एक एटीएम, पंजाब नेशनल बैंक का एक एटीएम, एक्सिस बैंक का एक एटीएम, दो अदद कट्टा 315 बोर दो अदद जिंदा कारतूस 315 बोर एक अपाचे मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट बरामद हुई। तीनों को धारा 379 420 411 379 साहित संबंधित धाराओं में जेल भेजा गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान तीनों ने स्वीकार किया कि एटीएम मैं जाकर पिनकोड बदलने के नाम पर एटीएम को बदलकर हम लोग पैसा निकालने का कार्य करते हैं। हमारा गिरोह आजमगढ़, गाजीपुर, बलिया तक फैला हुआ है। अभी कुछ दिन पहले ही जीयनपुर से एक एटीएम से 40000 निकाला गया जो यह दोनों मोबाइल हम लोगों के पास मौजूद हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, स्वाट प्रभारी सच्चिदानंद यादव, विकास यादव, अजय कुमार यादव, राजू सिंह, शत्रुघ्न सिंह, अभिषेक यादव, काशी नाथ पांडे सहित पुलिसकर्मी रहे।

1200 से अधिक खिलाड़ी आईपीएल 2022 नीलामी के लिए पंजीकृत

ऑस्ट्रेलिया के सर्वाधिक 59 खिलाड़ी सहित 318 विदेशी खिलाड़ी होंगे शामिल

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को आईपीएल 2022 के लिए मेगा नीलामी के लिए 1214 खिलाड़ियों के पंजीकृत होने की घोषणा की। आईपीएल 2022 सीजन के लिए दो दिन तक होने वाली मेगा नीलामी में 10 टीमें इन खिलाड़ियों के लिए बोली लगाएंगी।

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा, मेगा नीलामी के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण 20 जनवरी 2022 को बंद हो गया। कुल 1214 खिलाड़ियों (896 भारतीय और 318 विदेशी) ने आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी का हिस्सा बनने के लिए पंजीकरण किया है। उल्लेखनीय है कि पंजीकृत खिलाड़ियों की सूची में 270 कैप्ड, 903 अनकैप्ड और 41 एसोसिएट खिलाड़ी (318 विदेशी खिलाड़ी सहित) शामिल हैं। मेगा नीलामी से पहले कुल 33 खिलाड़ियों को रिटेन किया गया है। मौजूदा आठ आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने कुल 27 खिलाड़ियों को रिटेन किया है, जबकि दो नई टीमों ने नीलामी से पहले छह खिलाड़ियों को चुना है। आईपीएल 2022 नीलामी में जिन 318 विदेशी खिलाड़ियों पर बोली लगने हैं, उनमें सबसे ज्यादा ऑस्ट्रेलिया के 59 खिलाड़ी है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका से 48, वेस्टइंडीज से 41, श्रीलंका से 41, अफगानिस्तान से 20, बांग्लादेश से 19, इंग्लैंड से 30, न्यूजीलैंड से 29, नेपाल से 15, अमेरिका से 14, नामीबिया से पांच, आयरलैंड से तीन, जिम्बाब्वे से दो और भुटान, नीदरलैंड्स, ओमान, स्कॉटलैंड और यूएई से एक-एक खिलाड़ी शामिल हैं। सूची में मिचेल स्टार्क, सैम करन, बेन स्टोक्स, क्रिस गेल, जोफ्रा आर्चर और क्रिस वोक्स जैसे नाम मौजूद नहीं हैं।

नीलामी में शाहरुख खान की बड़ी बोली लगने की उम्मीद

ज्यादातर फ्रेंचाइजी नई टीम बनाने के लिए अच्छे पर्स के साथ नीलामी में उतरेंगी। वहीं फ्रेंचाइजी इस मेगा नीलामी में भविष्य को देखते हुए युवा खिलाड़ियों की ओर भी रूख कर सकती हैं। ऐसे में कोई ताज्जुब नहीं है कि देवदत्त पड़िक्कल, हर्षल पटेल और यहां तक की कम परिचित वेस्टइंडीज के ओडीन स्मिथ ने अपना बेस प्राइस दो करोड़ रुपए रखा है। हर्षल को आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स से ट्रेड किया था और वह 2021 आईपीएल में सबसे ज्यादा 32 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। हर्षल ने इस बार नीलामी अच्छी कीमत मिलने की संभावना हैं। वहीं तमिलनाडु के बल्लेबाज शाहरुख खान के भी नीलामी में बड़ी बोली लगने की उम्मीद है। एक और अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी आवेश खान जिन्होंने खुद को 20 लाख के बेस प्राइस में रखा है, उनको भी नीलामी में अच्छी रकम मिलने की उम्मीद है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज श्रीसंत ने भी खुद को 50 लाख के बेस प्राइस कैटगरी में रखा है।

वॉर्नर, अश्विन, रबाडा और ब्रावो अधिकतम बेस प्राइस लिस्ट में शामिल

टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द सीरीज डेविड वॉर्नर और ऑस्ट्रेलियाई साथी मिचेल मार्श उन 49 खिलाड़ियों में शामिल हैं जो आईपीएल 2022 की मेगा आईपीएल नीलामी में दो करोड़ के अधिकतम बेस प्राइस की सूची में शामिल हैं। इनमें रविचंद्रन अश्विन, श्रेयस अय्यर, शिखर धवन, इशान किशन, सुरेश रैना, पैट कमिंस, एडम जम्पा, स्टीवन स्मिथ, शाकिब अल हसन, मार्क वुड, ट्रेंट बोल्ट, फाफ डुप्लेसी, क्विंटन डिकॉक, कैगिसो रबाडा और ड्वेन ब्रावो शामिल हैं। सूची में कई बड़े नाम जिनमें 17 भारतीय और 32 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। फाइनल सूची 12 और 13 फरवरी को होने वाली नीलामी से दो दिन पहले तैयार की जाएगी। इस बार इस नीलामी में दो नई टीम लखनऊ और अहमदाबाद की शामिल हैं, जिन्हें पिछले साल अक्तूबर में रिकॉर्ड पैसे देकर खरीदा गया था। 10 फ्रेंचाइजी पहले ही 338 करोड़ रुपए खर्च करके 33 खिलाड़ियों को रिटेन कर चुकी हैं।

17 भारतीय खिलाड़ी दो करोड़ रुपए की बेस प्राइस में शामिल

शिखर धवन, श्रेयस अय्यर, रोबिन उथप्पा, देवदत्त पडिक्कल, सुरेश रैना और अंबाती रायुडू, ईशान किशन, दिनेश कार्तिक, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल और क्रुणाल पांड्या, दीपक चाहर, मोहम्मद शमी, शार्दुल ठाकुर, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल और उमेश यादव।

आईपीएल इतिहास के संयुक्त रूप से सबसे महंगे खिलाड़ी बने राहुल

आईपीएल की लखनऊ फ्रेंचाइजी ने लोकेश राहुल को 17 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा है। ऐसे में वह आईपीएल इतिहास के संयुक्त रूप से सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। आरसीबी ने विराट कोहली को भी इतने ही पैसों में 2018 की नीलामी से पहले अपने साथ रखा था। लखनऊ उन दो नई टीमों में शामिल है, जिन्हें पिछले साल अक्टूबर में आईपीएल में शामिल किया गया था। वह

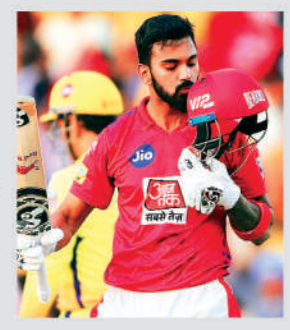

अगले महीने होने वाली नीलामी में 59.89 करोड़ रुपये के पर्स के साथ जाएगी। राहुल के अलावा लखनऊ के पास ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोयनिस और अनकैप्ड भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई होंगे, जिन्हें उन्होंने 9.2 करोड़ रुपए और 4 करोड़ रुपए देकर टीम में शामिल किया है। आरपीएसजी ग्रुप के प्रमुख संजीव गोएंका ने स्टार स्पोर्ट्स कार्यक्रम में इसकी पुष्टि की। बातचीत में गोएंका ने कहा कि जिन तीन खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी ने चुना है वह न केवल टीम को प्रेरित करेंगे बल्कि भविष्य के लिए टीम की नींव भी रखेंगे। उन्होंने कहा, केएल न सिर्फ एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं बल्कि एक अच्छे विकेटकीपर भी हैं। मार्कस बेहतरीन फीनिशर हैं, एक बेहतरीन गेंदबाज और शानदार क्षेत्ररक्षक हैं। रवि बिश्नोई स्पिन महकमे में एक जुदा खिलाड़ी होंगे और वह एक बेहतरीन क्षेत्ररक्षक भी हैं। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी तीन से आठ साल तक हमारे साथ रहें।सीवीसी कैपिटल के स्वामित्व वाली दूसरी टीम अहमदाबाद 52 करोड़ के पर्स के साथ नीलामी में जाएगी। उन्होंने पहले ही 15 करोड़ रुपए देकर हार्दिक पंड्या और अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान को अपने टीम में शामिल किया है। इसके अलावा अहमदाबाद के पास शुभमन गिल भी होंगे, जिन्हें उन्होंने आठ करोड़ रुपए देकर टीम में शामिल किया है। अहमदाबाद ने भी शुक्रवार को पुष्टि की कि पांड्या उनकी टीम के कप्तान होंगे।आईपीएल ने दोनों नई टीमों को 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होने वाली मेगा नीलामी से पहले तीन खिलाड़ियों को चुनने की इजाजत दी थी, जिन्हें आठ फ्रेंचाइजी ने अपनी टीम में रिटेन नहीं किया था।

2022 आईपीएल सीजन 27 मार्च से हो सकता है शुरू

बीसीसीआई आईपीएल के 2022 सीजन को 27 मार्च से शुरू करने पर विचार कर रहा है जो टूर्नामेंट की योजनाबद्ध शुरुआत से लगभग एक हफ्ता पहले है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा, मुझे यह पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि आईपीएल का 15वां सीजन मार्च के आखिरी हफ्ते में शुरू होगा और मई के अंत तक चलेगा। अधिकतर टीम मालिकों ने अपनी इच्छा व्यक्त की है कि टूर्नामेंट भारत में आयोजित किया जाए। शाह ने कहा, बीसीसीआई ने अतीत में अपने हितधारकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया है, इसलिए हम साथ ही साथ प्लान बी पर काम करेंगे, क्योंकि कोरोना वायरस के नए स्वरूपों के साथ कोरोना महामारी की स्थिति तरल बनी हुई है। मेगा आईपीएल नीलामी 12 और 13 फरवरी को होगी और हम उससे पहले आयोजन स्थल चुन लेंगे। मुंबई को पहले विकल्प के रूप में रखा गया है। साथ ही किसी भी तरीके की मुश्किल परिस्थिति से निपटने के लिए यूएई और दक्षिण अफ्रीका को बैक-अप के रूप में रखा गया है। मुंबई को आईपीएल की मेजबानी के लिए चुने जाने का सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां कई मैदान हैं। साथ ही टीमों को एक महामारी की स्थिति में एक शहर से दूसरे शहर तक यात्रा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पीवी सिंधु ने सैयद मोदी टूर्नामेंट के फाइनल में बनाई जगह

रिटायर्ड हर्ट हुई रूस की इवजेनिया, हमवतन मालविका बंसोद से होगा खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गई हैं। शनिवार (22 जनवरी) को महिला एकल में उनके खिलाफ उतरने वाले रूस की इवजेनिया कोसेतस्काया ने बीच में ही मैच को छोड़ दिया।

वह चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गईं। दो बार ओलंपिक पदक जीतने वाली सिंधु फाइनल में हमवतन मालविका बंसोद से भिड़ेंगी। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने कोसेतस्काया के खिलाफ पहला गेम 21-11 से जीत लिया था। पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम के शुरू होने से पहले कोसेतस्काया ने मैच छोड़ने का फैसला किया। एक अन्य सेमीफाइनल मैच में मालविका ने तीन गेम तक चले मुकाबले में हमवतन अनुपमा उपाध्याय को शिकस्त दी। मालविका ने मैच को 19-21 21-19 21-7 से अपने नाम किया। सिंधु पिछले कुछ समय से लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। फॉर्म, वर्ल्ड रैंकिंग और कोसेतस्काया के खिलाफ रिकॉर्ड को देखते हुए सिंधु मैच जीतने की दावेदार मानी जा रही थीं। बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में सिंधु अभी सातवें स्थान पर हैं। शनिवार को हुए सेमीफाइनल मैच से पहले उन्होंने कोसेतस्काया को दो बार हराया था। उन्होंने अपने दबदबे को बरकरार रखा है। सिंधु ने सेमीफाइनल में अपना स्थान छठी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की सुपानिदा काटेथोंग को हराकर पक्का किया था। उन्होंने क्वॉर्टरफाइनल में काटेथोंग को तीन गेम तक चले मुकाबले में हराया था। सिंधु पहला गेंद 11-21 से हारने के बाद शानदार वापसी की थी। उन्होंने मैच को 11-21, 21-12, 21-17 से अपने नाम किया था। दोनों के बीच यह मुकाबला एक घंटा पांच मिनट तक चला था।

संक्षिप्त

राज एक्सप्रेस की जीत में बारिश बनी बाधा, अब 24 जनवरी को मैच होगा पूरा

भोपाल। ओल्ड कैंपियन मैदान पर खेली जा रही इंटर प्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता में जीत की ओर बढ़ रही राजएक्सप्रेस की राह में बारिश बाधा बन गई। मैच में राजएक्सप्रेस के खिलाफ स्वदेश ने छह विकेट पर 117 रन बनाए थे। इसमें कप्तान अक्षत शर्मा ने 36 और अजय ने 21 रन बनाए। जवाब में राजएक्सप्रेस ने 8.1 ओवर में तीन विकेट पर 71 रन बना लिए थे, तभी बारिश आ गई और आगे का खेल नहीं हो सका। राजएक्सप्रेस को जीत के लिए 41 गेंदों में 47 रन की जरूरत है और उसके सात विकेट अभी शेष हैं। दिन के दूसरे मैच में पवन के दोहरे प्रदर्शन से पीपुल्स ने इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरी जीत दर्ज की है। जबकि दिन का दूसरा मैच बारिश की वजह से पूरा नहीं हो पाया। यह मैच 24 जनवरी को दोहपर 12.00 बजे पूरा किया जाएगा। ओल्ड कैंपियन मैदान पर खेली जा रही इस प्रतियोगिता में शनिवार को पहले मैच में भास्कर ने 19.1 ओवर में 114 रन बनाए। इसमें धीरेन देसाई ने 37, आनंद रजक ने 20 रन बनाए। महेंद्र चतुर्वेदी ने तीन विकेट लिए। जवाब में पीपुल्स ने जरूरी रन 17.4 ओवर में 7 विकेट पर बना लिए। पीयूष रंजन मिश्रा ने अविजित 22 रन बनाए। कप्तान रामकृष्ण यदुवंशी ने तीन विकेट लिए। पवन मानसरोवर मैन ऑफ द मैच चुने गए।

भारत की विंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के आयोजन स्थल में बदलाव

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने भारतीय टीम की वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के लिए आयोजन स्थलों में बदलाव की घोषणा की। मेहमान वेस्टइंडीज इस दौरे पर तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलेगा। बीसीसीआई के मुताबिक तीन वनडे अब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे, जबकि तीन टी-20 मैचों का आयोजन कोलकाता के ईडन गार्डन में होगा। मूल रूप से घोषित की गई सीरीज को अब छह के बजाय दो स्थानों तक सीमित करने का निर्णय टीमों, मैच अधिकारियों, प्रसारकों और अन्य हितधारकों की यात्रा और आवाजाही में कटौती करके बायो-बबल जोखिमों को कम करने के लिए लिया गया है। उल्लेखनीय है कि दोनों टीमों के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में छह फरवरी को वनडे सीरीज होगी। नौ और 11 फरवरी को दूसरा और तीसरा मैच भी यहीं खेला जाएगा। इसके बाद 16 फरवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान पर टी-20 सीरीज शुरू होगी। 18 और 20 फरवरी को सीरीज का दूसरा और तीसरा मैच भी यहीं पर होगा।

महिला एशिया कप में भारत ने जीत से की अभियान की शुरुआत

मस्कट। भारतीय महिला हॉकी टीम महिला एशिया कप में अपने खिताब बचाओ अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए मलेशिया को 9-0 के बड़े अंतर से पीट दिया। जीत के बाद मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने शनिवार को कहा कि खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए मलेशिया पर दबाव बनाए रखा और शानदार जीत हासिल की।सविता की अगुवाई में गत चैंपियन टीम की खिलाड़ी वंदना कटारिया (8वें, 34वें मिनट), दीप ग्रेस एक्का (10), नवनीत कौर (15, 27), लालरेम्सियामी (38), मोनिका (40) और शर्मिला (46, 59) ने गोल किए और प्रचंड जीत दर्ज की। पूल ए के अपने दूसरे मैच में भारत एशियाई खेलों के चैंपियन जापान से भिड़ेगा, जिसने 23 जनवरी को अपने पहले मैच में सिंगापुर को 6-0 से हराया था।

पीकेएल: पुनेरी पल्टन ने बेंगलुरु बुल्स को दो अंक से हराया

मोहित गोयत (13 अंक) और सोमवीर (5 अंक) चमके

बेंगलुरु। पुनेरी पल्टन ने अपने डिफेंस की बदौलत प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन में बेंगलुरु बुल्स को 37-35 से हरा दिया। यह पल्टन की पांचवीं जीत और बुल्स की पांचवीं हार है।

इस मैच में पल्टन के लिए मोहित गोयत (13 अंक) के अलावा डिफेंस में सोमवीर (5 अंक) चमके। बुल्स के लिए पवन सेहरावत ने इस सीजन का अपना 10वां सुपर-10 पूरा किया लेकिन इस दौरान वह कुल आठ बार आउट हुए। साथ ही बुल्स के डिफेंस ने भी निराश किया। पांच मिनट के खेल में पवन ने दो अंक लिए और दो बार टैकल हुए। शुरुआती छह मिनट में पल्टन के डिफेंस ने तीन अंक ले अपनी टीम को 5-4 की लीड दिला दी। अमन ने हालांकि मोहित को आउट कर स्कोर बराबर किया। आठवें मिनट में भरत ने बुल्स को लीड दिलाई।मोहित डू ओर डाई रेड पर दो अंक लेकर गए और स्कोर 8-6 कर दिया। इस पर बुल्स ने रिव्यू लिया लेकिन उसे नकार दिया गया। बुल्स ऑल आउट की कगार पर थे लेकिन दीपक नरवाल ने पवन को रिवाइव करते हुए इसे टाल दिया। स्कोर 9-9 था।

यू मुम्बा ने लगाई तीन स्थान की छलांग

अभिषेक सिंह (14 अंक), कप्तान फजल अतराचली (6 अंक) और राहुल सेठपाल (6 अंक) के उम्दा प्रदर्शन के बूते यू मुम्बा ने तेलुगू टाइटंस को 42-35 से हरा दिया। सीजन की इस चौथी जीत के साथ मुम्बा 12 टीमों की अंक तालिका में तीन स्थान की छलांग के साथ छठे स्थान पहुंच गई है। टाइटंस की इस सीजन की यह नौवीं हार है। टाइटंस के लिए आदर्श टी. ने सुपर-10 पूरा किया लेकिन बाकी के रेडर उनका साथ नहीं दे सके।

चौथे दौर में पहुंचे मेदवेदेव और सितसिपास

ऑस्ट्रेलियन ओपन: सिमोना हालेप और आर्यना सबालेंका भी जीतीं, बोपन्ना मिश्रित युगल में हारे

मेलबर्न। डेनिल मेदवेदेव, चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफनोस सितसिपास, महिला एकल में दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप और दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका शनिवार को आसान जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश किया।

यूएस ओपन चैंपियन और यहां दूसरी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव ने तीसरे दौर में बोटिच वान डि जैंडस्कल्प के खिलाफ 6-4, 6-4, 6-2 से जीत दर्ज की। मेदेवेदव अगले दौर में अमेरिका के मैक्सिम क्रेसी से भिड़ेंगे जिन्होंने स्थानीय खिलाड़ी क्रिस्टोफ ओकोनेल को 2-6, 7-6, 6-3, 6-2 से हराया। पुरुष वर्ग में ही यूनान के सितसिपास ने फ्रांस के बेनोइट पियरे को चार सेट में 6-3, 7-5, 6-7, 6-4 से पराजित किया। सितसिपास को अब अमेरिका के 20वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज की चुनौती का सामना करना पड़ेगा जिन्होंने स्पेन के 15वें वरीय राबर्टो बातिस्ता आगुट को पांच सेट तक चले मैच में 6-0, 3-6, 3-6, 6-4, 6-3 से हराया। एक अन्य मैच में कनाडा के नौवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स आगुर अलीसामी ने ब्रिटेन के डेनियल इवान्स को 6-4, 6-1, 6-1 से हराया।

एलाइज कॉर्नेट से होगा हालेप का अगला मुकाबला

महिला वर्ग में पिछले साल विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबालेंका ने 31वीं वरीय मर्डेका वोंड्रोसोवा से पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करके 4-6, 6-3, 6-1 से जीत दर्ज की। हालेप ने डैंका कोविनिच को आसानी से 6-2, 6-1 से पराजित करके लगातार पांचवें साल चौथे दौर में जगह बनायी। इस 14वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी का अगला मुकाबला एलाइज कॉर्नेट से होगा। भारत के रोहन बोपन्ना और उनकी मिश्रित युगल जोड़ीदार क्रोएशिया की डी जुराक श्राइबर शुरुआती दौर में बाहर हो गए।

आरएनटीयू चैम्पियन्स ट्रॉफी में इलाइट क्रिकेट क्लब जीता

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित तृतीय आरएनटीयू चैम्पियन्स ट्राफी 2022 के कार्पोरेट ग्रुप के ग्रुप ए क्वालीफायर मैच इलाइट क्रिकेट क्लब व आरएनटीयू भोपाल के मध्य खेला गया। टास जीतकर इलाइट क्रिकेट क्लब ने वैभव कुमार विश्वकर्मा के 59 गेंद पर 89 रन, अमन बाथम के 22 गेंद पर 41 रन की मदद से 20 ओवर में 5 विकेट पर 168 रन बनाए। आरएनटीयू भोपाल की तरफ से गेंदबाजी करते हुए राहुल शिंदे ने 3 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। लक्ष्य का

पीछा करने उतरे आरएनटीयू भोपाल के बल्लेबाज सागर शुक्ला ने 30 गेंद पर 50 रन की मदद से 20 ओवर में 9 विकेट पर 145 रन ही बना सकी। इलाइट क्रिकेट क्लब के गेंदबाज देवेंद्र सिंह ने 4 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट झटके। इलाइट क्रिकेट क्लब ने यह मैच 23 रनों से जीत लिया। इलाइट क्रिकेट क्लब के बल्लेबाज वैभव कुमार विश्वकर्मा को शानदार बल्लेबाजी के लिये विश्वविद्यालय के ऑफिसर धीरेंद्र करोसिया के हाथों मैन ऑफ द मैच दिया गया।

बोर्जा के दो गोल से जीता बेटिस

मैड्रिड। रीयाल बेटिस ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एस्पेनयोल को 4-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर दी। इस जीत से बेटिस चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से सात अंक आगे हो गया है।

एटलेटिको ने हालांकि उससे दो मैच कम खेले हैं। यही नहीं बेटिस और दूसरे स्थान की टीम सेविला के बीच अब केवल पांच अंक का अंतर रह गया है। वह शीर्ष पर काबिज रीयाल मैड्रिड से नौ अंक पीछे है। बेटिस ने पिछले पांच मैचों में 14 गोल किये हैं जबकि उसके खिलाफ केवल तीन गोल हुए हैं। एस्पेनयोल ने रॉल डि थामस के गोल से शुरू में बढ़त हासिल की, लेकिन बेटिस ने बोर्जा इग्लेसियास के दो गोल तथा गुइडो रोड्रिग्ज और विलियम जोस के गोल से अपनी बड़ी जीत सुनिश्चित की।

हार्दिक को कप्तानतौर पर अपनी क्षमता दिखाने के लिए प्रेरित किया जायेगा: कर्स्टन

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व कोच और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अहमदाबाद फ्रेंचाइजी टीम के मेंटोर (मार्गदर्शक) गैरी कर्स्टन का मानना कि हार्दिक पांड्या बड़े मंच पर अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने के लिए तैयार हैं और एक युवा तथा नये कप्तान का होना, टीम के लिए फायदे की बात है। भारत के इस हरफनमौला खिलाड़ी को सीवीसी के स्वामित्व वाली अहमदाबाद की फ्रेंचाइजी ने 15 करोड़ रुपये में खरीदा है। उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया है। सलेक्शन डे में कहा कि एक युवा और नये कप्तान के तौर पर मैं हार्दिक पंड्या के साथ काम करने का इंतजार कर रहा हूं। मुझे लगता है कि उन्हें योजना बनाने और एक कप्तान के तौर पर यह दिखाने के लिये प्रेरित किया जायेगा कि वह इस स्तर पर क्या करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, वह शानदार खिलाड़ी है। मैंने जो सुना है वह यह है कि वह वास्तव में टीम की योजना बनाने वाले समूह में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं। मुझे लगता है कि वह इस टूनार्मेंट के महत्व को समझते हैं। वह नेतृत्व के नजरिये फैसला करने वाले समूह का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। हमारी टीम में ऐसे कौशल वाले खिलाड़ी के होना रोमांचित करता है। फ्रैंचाइजी ने अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान और युवा भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल के साथ भी करार किया है। कर्स्टन टीम में इन दोनों की मौजूदगी से खुश है। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में उन दोनों के होने से उत्साहित हूं। वे दोनों बेहतर प्रदर्शन करने वाले हैं। गिल खासकर कमाल के खिलाड़ी है। मेरे विचार से वह भारत के लिए और अधिक खेलेंगे। उन्होंने कहा, राशिद खान ने पूरी दुनियाभर में प्रदर्शन कर खुद को साबित किया है। मैंने अभी तक उसके साथ काम नहीं किया है लेकिन काम करने को लेकर रोमांचित हूं। आईपीएल की एक और नयी फ्रेंचाइजी लखनऊ के मालिक संजीव गोयनका ने बताया कि उनकी टीम ने भारतीय बल्लेबाज लोकेश राहुल, स्पिनर रवि बिश्नोई और ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला मार्कस स्टोइनिस से इसलिए करार किया है क्योंकि ये तीनों एक से अधिक विभाग में योगदान दे सकते है। उन्होंने कहा, हम सिर्फ एक या दो सत्र के लिए टीम का गठन नहीं कर रहे है, जैसा कि हमें पुणे के मामले में करना पड़ा था।

क्लीन स्वीप से बचने के लिए उतरेगा भारत

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम वनडे मुकाबला आज

केपटाउन। सीरीज में 0-2 से पिछड़कर श्रंखला पहले ही गंवा चुकी भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे में क्लीन स्वीप से बचने के लक्ष्य के साथ उतरेगी।

भारत ने इस दौरे में अच्छी शुरुआत करते हुए पहला टेस्ट जीता था लेकिन उसके बाद उसने लगाकर चार मैच गंवाए हैं और टेस्ट तथा वनडे सीरीज दोनों गंवा दी है। भारतीय कप्तान लोकेश राहुल का मानना है कि टीम ने गलतियां की और उसे उसका खामियाजा भुगतना पड़ा है। भारत की गेंदबाजी उसकी बड़ी समस्या बनी हुई है। नई गेंद से तेज गेंदबाज विकेट नहीं निकाल पा रहे हैं जबकि मध्य ओवरों में स्पिनर भी कोई प्रभाव नहीं छोड़ पा रहे हैं। जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट और सीमित ओवर दोनों के एक विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं। हालांकि पिछले दो

सालों से वनडे क्रिकेट में नई गेंद के साथ उनका पैनापन थोड़ा कम दिखा है। 2019 विश्वकप के बाद 11 पारियों में पावरप्ले के 43 ओवरों में उन्होंने केवल एक विकेट लिया है। भुवनेश्वर कुमार का भी रिकॉर्ड इस दौरान कुछ खास नहीं रहा है - पावरप्ले में उन्होंने 41 ओवर फेंके हैं और उनके नाम हैं सिर्फ तीन विकेट है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि पहले 10 ओवरों में गेंदबाजी करते हुए भारत क्यों सबसे कमजोर टीम रही है। पिछले वनडे विश्वकप के बाद भारत ने कुल 23 वनडे मुकाबलों में केवल 10 पावरप्ले विकेट झटके हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी रेट (5.74) किसी भी टीम की तुलना में सबसे अधिक है और 132.10 का औसत तो अगले नंबर पर आने वाले जिम्बाब्वे (63.45) से दोहरे से भी अधिक है। तुलना करें तो भारत के विरुद्ध टीमों का पहले 10 ओवरों का रिकॉर्ड 22 पारियों में 53 के औसत और 5.78 की इकॉनमी से 24 विकेट का है। भारत ने जो भी कोशिश की वह काम नहीं आई क्योंकि पार्ल में दूसरे वनडे के दौरान फिर से नई गेंद से भारत को परेशानी हुई।

दक्षिण अफ्रीका पर धीमे ओवर रेट के लिए जुर्माना

दक्षिण अफ्रीका पर भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में धीमे ओवर रेट के लिए मैच फीस के 20 प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया है। तेम्बा बावुमा की टीम निर्धारित समय में सभी बातों पर विचार करने के बाद एक ओवर धीमे थी। आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी एंडी पायक्रोफ्ट ने यह जुर्माना लगाया है। बावुमा ने अपना दोष स्वीकार कर लिया है जिसके बाद औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत महसूस नहीं हुई।

अधवार स्थित सर्वोदय इंटरमीडिएट कॉलेज में प्रबंध समिति का चुनाव निर्विरोध संपन्न

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के अधवार स्थिति सर्वोदय इंटरमीडिएट कॉलेज में प्रबंध समिति का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ चुनाव काफी शांति पूर्वक एवं कोविड-19 के अनुरूप ही संपन्न हुआ इस चुनाव में सुबह अध्यक्ष पद के लिए डॉक्टर अमरेश चंद्र सिंह व आलोक कुमार सिंह ने पर्चा दाखिल किया था वही प्रबंधक पद के लिए उमेश कुमार सिंह अलगू सिंह श्रीमती आरती सिंह सहित तीन लोगों ने पर्चा दाखिल किया था जिसमें आम सहमति बन जाने के बाद अध्यक्ष पद से आलोक कुमार सिंह व प्रबंधक पद से अलगु सिंह और श्रीमती आरती सिंह ने पर्चा वापस ले लिया वही उप प्रबंधक व उपाध्यक्ष पद समेत अन्य सदस्यों ने पर्चा दाखिल किया था इस तरह दोपहर 2:00 बजे तक अन्य पदों के लिए किसी ने नामांकन नहीं किया जिले से चुनाव अधिकारी के रूप में रविंद्र नारायण सिंह व पर्यवेक्षक डॉ हरि गेंद्र कुशवाहा की देखरेख में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न हुआ पर्यवेक्षक ने शाम 4:00 बजे सभी पदों के लिए निर्विरोध रूप से अमरेश चंद्र सिंह को अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह को प्रबंधक ओमप्रकाश सिंह उपाध्यक्ष कमला प्रसाद सिंह उप प्रबंधक प्रमोद सिंह कोषाध्यक्ष एवं सदस्य पद से क्रमशः गुरु शंकर सिंह अशोक कुमार सिंह शिव भागवत सिंह रामचंद्र सिंह त्रिभुवन सिंह राम सिंह प्रभात कुमार सिंह को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जैसे ही निर्वाचन की घोषणा हुई समर्थकों समेत विद्यालय में मौजूद अन्य सदस्यगण एक दूसरे का माल्यार्पण कर मिष्ठान वितरण किया प्रबंधक उमेश कुमार सिंह ने जिले से आए हुए पर्यवेक्षक एवं चुनाव अधिकारी समेत अन्य संभ्रांत लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अशियम जनकल्याण फाउंडेशन के बैनर तले लगा वैक्सीनेसन कैंप

प्रखर जौनपुर। अहमद खा मंडी में कोविडशील्ड की दूसरी डोज का कैंप स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फाउंडेशन के सहयोग से लगाया। जिन लोगों को पहली डोज लग चुकी थी उन लोगो ने अपनी दूसरी डोज लगवाई। स्वास्थ्य विभाग की टीम में विद्यावती यादव व विमला देवी ए एन एम, आंगन बाड़ी सहायिका संगीता देवी आदि उपस्थित रही।

इस मौके पर विशेष सहयोग में फाउंडेशन के उपाध्यक्ष डॉ रजी अहमद, रियाजुल हक, सेराज अहमद, अतुल श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अपराध एवम अपराधियो को रोकने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत प्रभारी निरीक्षक जमानियाँ के कुशल निर्देशन में 23 जनवरी 2022 को अति0 निरीक्षक महेशपाल सिंह द्वारा बिन्द मोड़ से समय करीब 13.15 बजे मु0अ0सं0 28/2022 धारा 67क आईटी एक्ट का वांछित अभियुक्त संदीप कुमार पाण्डेय पुत्र अन्नत शंकर पाण्डेय निवासी ग्राम भरतपुर थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर उम्र करीब 41 वर्ष को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में अति0 निरीक्षक महेशपाल सिंह, का0 पवन मिश्रा, का0 रतन कुमार शामिल रहे।

क्रांतिकारी पत्रकारों ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत थाना क्षेत्र के स्थित स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में आज नेता सुभाष चंद्र बोस जी की क्रांतिकारी पत्रकारों द्वारा जयंती मनाई जिसमें मुख्य अतिथि केराकत कोतवाली प्रभारी लक्ष्मण पर्वत जी रहे और सुभाष चंद्र बोस द्वारा 1983 में देश की पहली निर्वाचित सरकार के गठन के बाद आजाद हिंद फौज ने अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई लड़ी आजाद हिंद फौज के सैनिकों को संबोधित करते हुए नेता जी ने प्रसिद्ध नारा दिए जिसमें उनका मुख्य नारा "तुम मुझे खून दो,मैं तुझे आजादी दूंगा" इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार ब्यूरो चीफ योगेंद्र यादव, अमित प्रताप यादव पत्रकार हिंदी दैनिक राष्ट्रसाक्षी, अरविंद कुमार यादव, राजेश कुमार यादव, राम मिलन यादव, पवन पाठक, मनीष पाठक, आनंद कुमार, गोविंद कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान का यह राष्ट्र सदैव ऋणी रहेगा- भाजपा जिलाध्यक्ष

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाजपा जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह के नेतृत्व मे नेता जी सुबाष चंद्र बोस के 126 वीं जयन्ती के अवसर पर टैक्सी स्टैंड स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह ने कहा की स्वाधीनता संग्राम मे अतुलनीय निर्णायक भूमिका का निर्वाह कर अंग्रेजों के लिए मुसीबत बन गये थे नेता जी। आगे उन्होंने कहा की नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान का यह राष्ट्र सदैव ऋणी रहेगा। इस अवसर पर जिला प्रभारी अशोक मिश्रा, जिला महामंत्री प्रवीण सिंह, दयाशंकर पांडेय, अखिलेश सिंह, शैलेष राम आदि लोग उपस्थित रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती पर आयोजित की गई गोष्ठी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। महान देशभक्त, क्रान्तिकारी एवं स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानी डॉ. सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती आज दिन रविवार को मनाई गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वाधान में जिला अध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में टैक्सी स्टैंड स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर विचार गोष्ठी एवं माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित हुआ। गोष्ठी आरंभ होने के पहले महासभा के सभी कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए देश की आजादी, एकता और अखंडता की रक्षा करने का संकल्प लिया। गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने डॉ. सुभाष चंद्र बोस जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. सुभाष चंद्र बोस महान देशभक्त थे, उनमें देशभक्ति का जज्बा कूट-कूट कर भरा था।

डॉ. सुभाष चंद्र बोस ने भारत के लिए पूर्ण स्वराज का सपना देखा था। भारत को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए आंदोलन के दौरान उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई को तेज करने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन किया। वह बचपन से ही पढ़ाई में बहुत होनहार थे। वह भारतीयों पर अंग्रेजों द्वारा किए जा रहे अन्याय और अत्याचार के खिलाफ थे। उन्होंने भारतीयों पर अंग्रेजों के द्वारा किये जा रहे जुल्म और ज्यादती का पुरजोर विरोध किया। उन्होंने ही तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा और जय हिंद का नारा दिया था। वह क्रांतिकारी विचारों के व्यक्ति थे। उनके अन्दर असीम साहस, अनूठे शौर्य और अनूठी संकल्प शक्ति का अनन्त प्रवाह विद्यमान था। इस अवसर पर मुख्य रूप से गुलाब लाल श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, अरुण सहाय, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, विजय प्रकाश श्रीवास्तव, डॉ.एस.के. मिश्रा, नन्हें आदि उपस्थित रहे।

अन्नदाता मंच ने मनाया नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के 125 वीं जयंती के अवसर पर अन्न दाता मंच के किसानों द्वारा ब्लाक मुख्यालय-जमालपुर, मीरजापुर के कैंपस के अंदर स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर याद किया गया। अन्न दाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह ने कहा कि देश की आजादी में अग्रणी भूमिका निभाने वाले नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी का दिया गया नारा तुम मुझे खून दो,मैं तुम्हें आजादी दूंगा आज भी युवाओं में जोश भर देता है। नेताजी के त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आजादी की लड़ाई में नेता जी के योगदान को हमलोग हमेशा याद रखेंगे। इस अवसर पर चौधरी रमेश सिंह,बसंत सिंह,नरेंद्र शर्मा,राकेश सिंह,कमलापति सिंह,दीपक गुप्ता,पिंटू आदि लोग मौजूद रहे।

सुभाष चंद्र बोस की मनाई गई 125 वीं जयंती

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। आजाद हिंद के महानायक नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की 125 जयन्ती कुदारन स्थित बीरेन्द्र कुमार सिंह के प्लान्ट पर बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । इस अवसर पर समाजसेवी वीरेंद्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह ने कहा कि आजादी की लड़ाई में अपना अहम योगदान देने वाले सुभाष चंद्र बोस ने तुम मुझे खुन दो मै तुम्हें आजादी दूगा का नारा देकर पूरे देश के युवाओं को आजादी की लड़ाई से जोड़ने का काम किया था। ऐसे क्रान्तिकारी अन्दोलन के प्रणेता को याद कर के हम लोग भाव बिहवल हो गये है। उनके किये गये असाधारण कार्यों की खुले मन से लोगों ने भूरि भूरि प्रशंसा किया। इस अवसर पर बीरेन्द्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह ,बबलू मौर्या , सन्तोष पाण्डेप ,राजू खान, बिपिन खान ,अकरम भाई ,नेपाली ,सुनील ,बिक्रम पटेल ,लक्कड सोनकर , सीता बिन्द इत्यादि लोग उपस्थित रहे ।

सनबीम स्कूल के डायरेक्टर ने वृद्धाश्रम में मनाया अपना जन्मदिवस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सनबीम स्कूल महराजगंज के डायरेक्टर नवीन कुमार सिंह ने अपना जन्मदिन वृद्धाश्रम में मनाया। उन्होनें वृद्धों के साथ केक काटकर खुशी मनाया। इसके बाद वृद्धों से आशीर्वाद लिया, उनका मुंह मीठा कराया। इस दौरान उन्होने कहा कि उनके जीवन का लक्ष्य असहाय और निराश्रितों की सेवा तथा सहायता करना है और यह कार्य वह हमेशा से करते रहे है। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन के.पी. सिंह ने नवीन सिंह के लम्बी उम्र और उज्वल भविष्य की कामना के साथ बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के असिस्टेंट डायरेक्टर शोभा सिंह, स्मिता सिंह, प्रवीण सिंह प्रधानाचार्य अर्चना तिवारी, कोआर्डिनेटर एवं अध्यापक सहित विद्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

पराक्रम दिवस के रूप में मनी नेता जी की जयंती

प्रखर पिंडरा वाराणसी। क्रांतिकारी नेता सुभाष चंद्र बोस की जयंती रविवार को परसरा में पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई। नेहरू युवा केन्द्र वाराणसी के तत्वावधान में आयोजित पराक्रम दिवस में 5 ग्राम पंचायतों के दर्जनो बालक बालिकाओ ने निबन्ध व भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया और नेता जी के ब्यक्तित्व पर विचार यक्त किया। अध्यक्षता करते हुए शिक्षक सुरेंद्र नारायण सिंह पटेल ने कहाकि आज जिस क्रन्तिकारी बीर सपूतो के बलिदान के बल पर संविधान के दायरे में हम जी रहे है। उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके आदर्श को संकल्प के रूप अपने जीवन मे उतारना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। स्वागत नेहरू युवा केन्द्र की वंदना राय व संचालन इंद्रजीत यादव ने किया। इस दौरान गुरुदयाल, नीतीश गुप्ता, छेदी शर्मा, राजन, स्वीटी समेत अनेक लोग रहे। कार्यक्रम के पूर्व उनके चित्र पर लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा क्षेत्र के खालिसपुर स्थित गीता आईटीआई कॉलेज में सुभाष चन्द्र बोस की 125वी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाते हुए उनके कृतित्व व ब्यक्तित्व पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला और उन्हें एक क्रांतिकारी बताया । इस दौरान श्रम प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सरोज कुमार उर्फ मुन्ना चौबे, नंदन चौबे, अनुराग मिश्र, दिलीप यादव, राजनारायण समेत अनेक लोग रहे।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने मनाया कर्तव्य बोध दिवस

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी द्वारा कर्तव्यबोध दिवस का आयोजन आनलाइन किया गया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्रतिवर्ष 12 जनवरी से 23 जनवरी तक कर्तव्यबोध पखवारा मनाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा प्रभारी डा० महेंद्र कुमार ने तथा संचालन राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के संयुक्त मंत्री एवं वाराणसी के जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय "शेखर" ने किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्र पुर्व कुलपति महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय वर्धा रहे।

आज के कार्यक्रम का शुभारंभ डा० यज्ञ नारायण के वैदिक मंगलाचरण, अभिषेक पाठक के पौराणिक मंगलाचरण एवं श्रीमती प्रीति के स्वागतगान और सरस्वती वंदना से हुआ, विषय प्रवर्तन डा कुलदीप पाण्डेय ने तथा अतिथियो का परिचय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी के महामंत्री आनंद सिंह ने एवं धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी के महिला विंग की अध्यक्ष डा रमा रूखैयार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महेंद्र कुमार जी ने कहा कि वर्तमान में यह आवश्यक हो गया है कि हम सब अपने कर्तव्य बोध को समझे क्योकि हमारी भारतीय परम्परा में भी कहीं भी अधिकार शब्द की बात या चर्चा नही की गई है वहा सिर्फ कर्तव्य की बात की गई क्योकि कर्तव्य ही प्रधान होता है जैसे शिक्षक या शिक्षा का मूल कार्य छात्र छात्राओं को ज्ञान देने के साथ उन्हें समझना भी शिक्षक का ही कर्तव्य है जिससे वह अपने छात्र की क्षमता से परिचित हो सके। कार्यक्रम के मुख्य मुख्य अतिथि और वक्ता प्रो गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि भारत के मन को गढ़ने में स्वामी विवेकानंद व सुभाष बाबू की बड़ी भूमिका रही है इन दोनों महापुरुषों ने तमाम कठिनाइयों को सहन करते हए देश को सर्वोपरी रखा और पूरे विश्व मे हिंदुस्तान की परंपरा व ज्ञान दोनो का ही मान बढ़ाया। स्वामी विवेकानंद ने विश्व के कल्याण की बात कही और खुद के लिये मोक्ष की बात कही मुख्य वक्ता ने कहा कि यदि हम अपने कर्तव्य का पालन करेंगे तो मन मे क्लेश का भाव नही आएगा इसलिये किसी भी कार्य की सिद्धि के लिये कर्तव्य बोध नितांत आवश्यक है। यदि हम सब वास्तव में नए व शिक्षित समाज का निर्माण चाहते है तो एक शिक्षक के रूप में केवल किताबी बातों को छात्रों को बताना नही है बल्कि उसके अंदर दायित्व एवं कर्तव्य बोध के ज्ञान का सृजन करना होगा हम सबको खुद के स्वार्थ बोध से ऊपर उठ कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को तय करना होगा। कार्यक्रम में प्रो उदयन मिश्र, डा हरिप्रसाद अधिकारी, कार्यकारी जिला अध्यक्ष ज्योति प्रकाश, डा० दिनेश चंद, सत्यप्रकाश पाल, आशा पाठक, पवन सिंह, संजीव त्रिपाठी, गोपेश यादव,ममता पटेल,अनुराधा भार्गव, प्रशांत मोहन गिरी, आशुतोष पाण्डेय, गीता गुप्ता,प्रतिमा सिंह, प्रिती गुप्ता, शशिभूषण त्रिपाठी, अरविंद द्विवेदी, मुकुल सिंह,अजय सिंह, अरुण पांडेय, आंचल पटेल, आशा विश्वकर्मा, डा बब्बन प्रसाद सिंह, डा गोविंद मिश्र, डा प्रग्नेश, डा राधारानी, डा अमिताभ, डा उमाकान्त सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

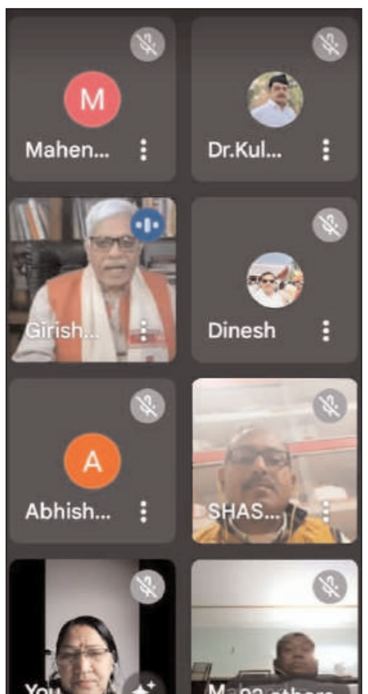

बंदरो से त्रस्त उद्यमी डीएम से करेंगे शिकायत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। करखियाव स्थित एग्रो पार्क परिसर में इन दिनों बन्दरो का आतंक हो गया है। जिसके चलते कम्पनी में कार्यरत मजदूर शिकार हो रहे हैं। उत्पाती बन्दर अब तक एक दर्जन लोगों को काट चुके हैं। बताते हैं कि एग्रो पार्क परिसर में खाने के सामान बनते हैं। जिससे संबंधित चार दर्जन से अधिक कम्पनिया स्थापित है। उनमें सैकड़ों की संख्या में मजदूर काम करते है। उनका घर से कम्पनी आना जाना लगा रहता है। इसी दौरान बन्दर उनके ऊपर टूट पड़ते हैं और उनको काट कर उनके सामान उठा ले जाते हैं। इसकी शिकायत कम्पनी के मालिकों ने वन विभाग को दी। लेकिन कोई कार्यवाई नही हुई। जबकि राजकुमार, दिनेश, सोहन, रामधारी, सरिता, महेश, लालमन , संजय, बच्चन, हरिहर समेत एक दर्जन लोगों को काट चुके हैं। बन्दरो से बचने के लिए लोग किसी तरह बचते बचाते आते जाते हैं। इस बाबत एग्रो इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज मद्धेशिया ने कहाकि इसकी लिखित शिकायत डीएम से करेंगे। जिससे बन्दरो के उत्पात से निजात मिल सके।

संक्षिप्त खबरें

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के नेता धनंजय सिंह पर हुई सोशल मीडिया पर टिप्पणी समर्थको संग पहुंचे सुरेरी थाना दिया प्रार्थना पत्र किया कार्यवाही की मांग

प्रखर पूर्वान्चल जौनपुर। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के नेता धनंजय सिंह पर हुई सोसल मीडिया पर टिप्पणी तो नेता जी समर्थको के साथ पहुंचे जनपद जौनपुर के सुरेरी थाने पर थाना प्रभारी सुरेरी को दिया प्रार्थना पत्र और कहे कि मैं 370 मड़ियाहूं विधानसभा का प्रत्याशी हूं और हमारा आम जनता व सभी लोगों में सोशल मीडिया फेसबुक के माध्यम से हमारी छवी को बदनाम किया जा रहा है और उन्होंने प्रार्थना पत्र में राजन त्रिपाठी को व अन्य दो लोगों का नाम दिया और कहां की धनंजय सिंह ऐसे किसी भी प्रकार के छवि वाले नहीं है उनको बदनाम किया जा रहा है और थाना प्रभारी सुरेरी को तहरीर देकर अभियोग पंजीकृत कर कानूनी कार्यवाही करने की मांग किया।

केराकत में पैरा मिलिट्री फोर्स ने किया मार्च

प्रखर केराकत जौनपुर। विधानसभा चुनाव का विगुल बजते ही राजनैतिक पार्टियो मतदाताओं को लुभावने का प्रयास कर रही तो वही चुनाव आयोग ने भी चुनाव को सकुशल संम्पन्न कराने के लिए अपनी कमर कस ली है।पुलिस बल व पैरा मिलिट्री फोर्स के संयुक्त नेतृव में फ्लैग मार्च निकाल कर मतदाताओं को निर्भीक होकर अपने मतदान का प्रयोग करने की अपील की इसी कड़ी में चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में पैरा मिलिट्री फोर्स का पैदल मार्च लगातार जारी है। रविवार को भी उपनिरिक्षक हैदर अली, रामआसरे यादव, संतोष कुमार यादव, पैरामिलिट्री पैराफोर्स के संयुक्त नेतृत्व में रूट मार्च किया गया। टीम केराकत कस्बा से लेकर सरायबीरूहोते हुए सरकी चौराहे व स्टेशन रोड़ होते हुए फ्लैग मार्च किया गया। इस दौरान फोर्स ने सक्रिय अपराधियों, तथा दुराचारी अपराधियों की चेकिंग और निगरानी की गई।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा पराक्रम दिवस पर युवाओ की संगोष्ठी का आयोजन किया गया

प्रखर प्रयागराज। नेता जी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा ईश्वर शरण पी जी कॉलेज के कैंपस में युवाओं की संगोष्ठी का आयोजन करके मनाया गया। जिसमें १२ के अखिल भारतीय कार्य प्रमुख श्री कमल नयन जी द्वारा नेता जी के विचारों को व्यक्त किया । साथ ही कार्यक्रम में अभाविप प्रयाग विभाग संगठन मंत्री प्रभाकर जी , अभाविप प्रयाग महानगर सह मंत्री सचिन सिंह जी, रौनक तिवारी जी, प्रियांशू , राघवेंद्र शाही, अभिषेक , प्रशांत, विपुल, आनंद, रणविजय, आदि कार्यकताओं की उपस्तिथि में कार्यक्रम सफल हुआ।

24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस समारोह का होगा भव्य आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला सूचना अधिकारी राकेश कुमार गाजीपुर ने समस्त जनपद वासियों को सूचित किया है कि दिनांक 24 जनवरी, 2022 को रायफल क्लब सभागार में उत्तर प्रदेश दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया जाना है। जिसमें विभिन्न विभागो द्वारा प्रदर्शनी/स्टाल लगाकर एवं संजीव प्रसारण के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

सुभाष चन्द्र बोस के जयंती धूमधाम से मनाई गई

प्रखर रामनगर वाराणसी। नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जी के जयंती धूमधाम से मनाई गई, जिसमें मुख्य संचालक मुकेश कुमार कसेरा नगर अध्यक्ष अर्जुन शर्मा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष सरोज सिंह विकास श्रीवास्तव जी आकाश तिवारी जी अमन पासवान जी शरद सिंह जी उपस्थित रहे। ओर उनके किये गये मार्ग पर चलने का निर्णय लिया गया।

सड़क दुर्घटना में पिता और पुत्री गंभीर रूप से घायल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सुहवल थाना क्षेत्र के भगीरथपुर गांव के पास रविवार की सुबह कार के धक्के से टेट की परीक्षा दिलवाने जा रहे पिता और पुत्री गंभीर रुप से घायल हो गये है। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल भेजवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जंगीपुर थाना के लावा निवासी महेश पाल अपनी पुत्री प्रियंका पाल को टेट की परीक्षा दिलवाने बाइक से मलसा जा रहे थे। इसी दौरान भगीरथपुर गांव के पास जमानियां की ओर से तेज गति से आ रही कार ने धक्का मार दिया। इससे पिता पुत्री गंभीर रुप से घायल हो गये। सूचना पर पहुची पुलिस ने कार सहित चालक को पकड़ लिया। दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजवाया।

बहू बेटी कुटुंब फाउंडेशन द्वारा वैक्सीनेशन कैम्प का किया गया आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। चौरा माता मंदिर नई बस्ती पांडेयपुर मे बहू बेटी कुटुंब फाउंडेशन द्वारा वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन सुबह 10:00 बजे से लेकर के 4:00 बजे तक किया गया जिसमें 100 डोज ज्यादा लगाए गए जिसमें फर्स्ट डोज सेकेंड हाउस बूस्टर डोज साथ ही 15 साल से ऊपर के बच्चों को वैक्सीन लगाई गई। मुख्य रूप से उपस्थित थी श्रुति जैन विशाल जैन केशव गुप्ता सोनू गुप्ता संजय जी अरुण जी श्वेता अग्रवाल पूनम अग्रवाल की उपस्थिति रही।

निराश्रित गो-वंशों को पुन: अभियान चलाकर अस्थाई गो-वंश आश्रय स्थलों में किया जाएगा संरक्षित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुख्य विकास अधिकारी श्रीप्रकाश गुप्ता गाजीपुर ने बताया है कि जनपद के नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निराश्रित गो-वंशों को 31 जनवरी, 2022 तक पुनः अभियान चलाकर क्षेत्र में स्थित निकटवर्ती अस्थाई गो-वंश आश्रय स्थलों में संरक्षित किया जना है। इस अभियान के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति को अपने क्षेत्र में अन्तर्गत कोई निराश्रित गो-वंश विचरण करता पाया जाय तो उसकी सूचना कन्ट्रोल रूम नम्बर 0548-2226101 पर पूर्वान्ह 10:00 बजे से सायंकाल 06:00 बजे तक की अवधि में दे सकते है। इस हेतु आपदा कन्ट्रोल रूम, गाजीपुर में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, गाजीपुर कार्यालय के कम्प्यूटर आपरेटर रामानन्द मो0नं0-7007279577 की तैनाती कर दी गयी है।

अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल बीडी मिश्र काशी विश्वनाथ दर्शन के बाद पहुंचे पैतृक निवास

भारत के साथ चीन का रवैया प्रतिकूल, सरकार ने सेना को बढ़ाई सुविधाएं, राज्यपाल प्रयागराज के बाद करेंगे अयोध्या में श्रीराम का दर्शन

प्रखर भदोही। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल व भारतीय सेना के पूर्व ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा शनिवार को कठौता स्थित अपने पैतृक निवास पहुंचे। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ परिसर पूरी तरह बदल गया है। बदलाव इतना हुआ है कि उसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती है।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के प्रति चीन का रवैया प्रतिकूल है, लेकिन अब पहले जैसी स्थिति नहीं है। सरकार ने सेना को जो सुविधाएं, हथियार और व्यवस्था उपलब्ध कराएं हैं ये सुविधाएं कभी नही मिली। इसलिए हम भारत माता की रक्षा के लिए पूरी तरह समर्थ हैं।

राजयपाल ने कहा कि मैं बहुत भाग्यशाली रहा जो मुझे सेना में नौकरी मिली। 1962 में चीन और 1965 में भारत -पाकिस्तान युद्ध हमने लड़ा। 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से अलग कराने में युद्ध लड़ा गया। श्रीलंका में जब शांति सेना का भेजी गयीं तो वहाँ मुझे ब्रिगेडियर बनकर भेजा गया। हमें अपनी मातृभूमि और राष्ट्र पर गर्व है। राजपाल ने कहा कि हम काशी दर्शन को आए हैं। यहां से प्रयागराज जाएंगे फिर अयोध्या दर्शन के बाद निकल जाएंगे अरुणाचल प्रदेश।

इस दौरान उन्होंने अपने बचपन सहपाठियों के साथ मुलाकात की। बचपन के दोस्त जब एक साथ मिले तो सब की यादें तरोताजा हो गई। एक दूसरे का कुशल क्षेम पूछने लगे। यह दृश्य बेहद ही भावपूर्ण था। राजयपाल ने कहा कि आप लोगों को छोड़ने का मन नहीं कर रहा है। अपने परिवारिक करीबियों और बंधु-बांधव से बहुत सम्मान मिला है। अपने सहपाठी हीराराम जी का नाम लेकर जब उन्होंने पुकारा तो हीराराम ने कहा मुझे आप पहचान रहे हैं। इस दौरान बचपन में साथियों के साथ खेल की यादों को भी उन्होंने सुनाया। इस दौरान जिलाधिकारी आर्यका आखौरी और अधिकारियों की मौजूदगी में राज्यपाल बीड़ी मिश्र को गार्ड ऑफ आनर दिया गया।

गांव में गंदगी का अंबार, ग्राम प्रधान का चमक रहा है घर

प्रखर सेमरियावां संतकबीरनगर। प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान की जिले में पोल खुल गई है। गांवों की साफ-सफाई के लिए तैनात सफाई कर्मचारी गांव की सफाई न करके प्रधान के घर चमका रहे है। सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी गांव की तस्वीर नहीं बदल सकी है। गांव-गांव को साफ रखने की गरज से एक दशक पहले जिला पंचायत राज विभाग ने सफाई कर्मचारियों की तैनाती की थी। सालेहपुर के ग्रामीणों की माने तो गांव की सफाई करने के बजाय ग्राम प्रधान के घर की सफाई कर रहे है। अधिकारी सब कुछ जानने के बाद भी खमोशी अख्तियार किए है। स्थिति यह है पिछले कई माह से सफाई कर्मी गांव में नहीं आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सफाई अभियान के मद्देनजर अधिकारी और कर्मचारियों ने कार्यालयों में साफ-सफाई कर चमका दिया। लेकिन सफाई के नाम पर हर माह करोड़ों रुपये तनख्वाह लेने वाले सफाई कर्मचारी झाड़ू पकड़ने में शर्म महसूस कर रहे है। सालेहपुर निवासी सैयद फिरोज अशरफ, जमील, रिजवान, जुनैद अशरफ अहमद राजकुमार सहित कई ग्रामीणों का कहना है कि सफाई कर्मचारी पिछले कई महीनों से गांव में नहीं आते है। शिकायत करने के बाद भी अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर मनायी जयन्ती लिया संकल्प

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा रविवार को प्रहलाद घाट पंचमुखी महादेव मंदिर के समीप कुशल सेनानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई जिसमे नेताजी सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया कार्यक्रम का आयोजन महानगर सचिव अनुपम राय ने किया ` कार्यक्रम में प्रमुख रुप से महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, कोषाध्यक्ष मनीष मुरलिया उपाध्यक्ष एवं दक्षिणी प्रभारी डॉ राजेश गुप्ता ,अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष मेहंदी हसन ,राजा सवाल, दुर्गा साहनी, राजेंद्र मिश्रा, किशन यादव, राज जायसवाल, राजू गुप्ता,राहुल साहनी, शिबू सिंह,नेयाज अहमद,विपिन मिश्रा समेत कई लोग उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब वाराणसी गंगा एवं वरुणा गार्डन द्वारा कोविड वैक्सीनेशन कैंप का किया गया आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी गंगा एवं वरुणा गार्डन द्वारा कोविड-19 वैक्सीनेशन कैंप 23 जनवरी रविवार को वरना गार्डन जेल रोड कैंपस में लगाया गया, वैक्सीनेशन कैंप की विशेषता वरना गार्डन के जिनका वैक्सीनेशन आज तक नहीं हुआ था, उन सभी को 15 से 20 वर्ष के बच्चों को फस्ट सेकंड डोज एवं बूस्टर डोज लगाने की रही कैंप में 100 से ज्यादा वैक्सीनेशन कराए गए वरुणा गार्डन के ही लोग इससे ज्यादा लाभान्वित हुए । वैक्सीनेशन कैंप के मुख्य अतिथि रोटेरियन हरिमोहन शाह जी पूर्व गवर्नर रहे उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब वाराणसी गंगा द्वारा अनेकों कैंप विभिन्न स्थानों पर लगाए गए हैं, जिससे काफी लोग लाभान्वित हुए हैं, मैं इसके लिए प्रत्येक सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं, वैक्सीनेशन कैंप के मुख्य संयोजक एवं दीपक अग्रवाल जी ने बताया रोटरी गंगा द्वारा विगत वर्ष में भी अभी तक लगातार 11 से ज्यादा कैंप लगाए गए हैं, इसमें 1200 से ज्यादा वैक्सीनेशन लगाए जा चुके हैं। वैक्सीनेशन कैंप में सर्वाधिक सहयोग रोटेरियन अरुण कुमार अग्रवाल रोटेरियन अनिल जैन, आलोक शाह, धर्मेंद्र गोयल, प्रदीप मेहरोत्रा, टी एस चौबे, दिनेश गुप्ता, वरना गार्डन के अरुण सिंह अध्यक्ष, हरविंदर सिंह आनंद सचिव, अनिल गुप्ता कोषाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल गप्पू का सहयोग रहा` प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम द्वारा रोटेरियन अरविंद जैन, अध्यक्ष द्वारा किया गया। धन्यवाद प्रकाश रोटेरियन अनिल चंद जैन पूर्व अध्यक्ष द्वारा दिया गया।

अंकुर राज तिवारी ने धूमधाम से मनाई सुभाष चंद्र बोस की जयंती

प्रखर संतकबीर नगर। रविवार को खलीलाबाद शहर के गोला बाजार स्थित अपने कार्यालय पर भाजपा नेता अंकुर तिवारी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती धूमधाम से मनाई. व नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। और कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माला पहनाकर श्रद्धा पूर्वक याद कर नमन किया। भाजपा नेता अंकुर तिवारी ने कहा कि नेताजी क्रांति से ही आजादी दिलाने के पक्षधर थे इसलिए उन्होंने विदेशों में रह कर अपनी भूमिका का बखूबी निर्वहन किया और नौजवानों को एकत्रित कर 1943 में आजाद हिन्द फौज का गठन किया। उन्होंने कहा कि नेताजी महात्मा गांधी की अहिंसा वादी नीति से सहमत नहीं थे। इसीलिए उन्होंने नौजवानों में तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा बुलंद किया और युद्ध लड़कर अंग्रेजों को परास्त करने में अपनी भूमिका निभाई,नेताजी एक महान पुरुष थे और आजादी दिलाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी। कार्यक्रम में चंद्रपाल सिंह, विनय दुबे, बागेश तिवारी,अमित चौबे, अवनीश पांडे, ठाकुर प्रसाद पांडे, रविंद्र चौधरी, भोला अग्रहरी, रजत गुप्ता, नर्मदा मिश्रा, शूरसेन मिश्रा आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नेहरू युवा केंद्र गाजीपुर, युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती जिला मुख्यालय के साथ-साथ नेहरू युवा मंडलों के माध्यम से ग्रामीण अंचलों में भी धूमधाम से मनाई गई। गोरा बाजार में आयोजित गोष्ठी में नेहरू युवा केंद्र के लेखा एवं कार्यक्रम सहायक सुभाष चंद्र प्रसाद ने कहा कि देश को आजाद कराने के लिए सत्य अहिंसा से अलग रास्ता अख्तियार कर आजादी को हासिल करने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन उस जमाने में कर लेना दुनिया के इतिहास में विरले उदाहरण मिलते हैं। इस अवसर पर अरुण सिंह अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, विक्रमादित्य अवकाश प्राप्त पीटीआई सहित स्थानीय युवा उपस्थित थे। संचालन शिवम विश्वकर्मा एनवाईवी ने किया। इसी क्रम में रेलवे क्रॉसिंग स्थित नेता जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर व्यास मुनि, रक्त वीर, श्रीकांत पांडे सहित अन्य उपस्थित महानुभावों ने नेताजी के मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

जौनपुर में आचार संहिता उल्लंघन में बीजेपी विधायक पर एफआईआर

सफाई में बोले- प्रचार वाहन की पुराने फोटो की गई वायरल, हमने गाड़ी से नहीं किया प्रचार

प्रखर जौनपुर । बीजेपी के बदलापुर विधायक पर पुलिस ने आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में मुकदमा दर्ज किया है। बदलापुर विधायक रमेश मिश्रा ने इस मामले में सफाई देते हुए बताया कि, जब से उनकी प्रचार गाड़ी बनकर आई है तब से वह प्रचार के लिए नहीं निकली है। किसी ने पुरानी फोटो वायरल कर चुनाव आयोग में इसकी शिकायत की है। बता दें कि शनिवार को सोशल मीडिया पर बदलापुर के विधायक रमेश मिश्रा के प्रचार वाहन की फोटो तेजी के साथ वायरल होने लगी। विपक्षी दलों के कई नेताओं द्वारा इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की गई। सोशल मीडिया पर मामला वायरल होते थे चुनाव आयोग ने फोटो को संज्ञान में लिया। पुलिस ने इस मामले में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज कर विधायक पर 7 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगा दिया। प्रचार वाहन पर रमेश मिश्रा के साथ-साथ बीजेपी के कई बड़े नेताओं की तस्वीर भी लगी हुई थी।

सोशल मीडिया पर बदलापुर के विधायक रमेश मिश्रा के प्रचार वाहन की फोटो तेजी के साथ वायरल हो रही है। सोशल मीडिया पर बदलापुर के विधायक रमेश मिश्रा के प्रचार वाहन की फोटो तेजी के साथ वायरल हो रही है। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद बदलापुर विधायक रमेश मिश्रा ने सफाई पेश की है। विधायक रमेश मिश्रा ने दावा किया है कि कोई भी प्रचार वाहन के साथ उनकी तस्वीर नहीं दिखा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी ने पुरानी तस्वीरों को वायरल कर दिया है। जांच के बाद मामला स्पष्ट हो जाएगा आचार संहिता लगने के बाद चुनाव आयोग की कोई गाइडलाइन न आने के कारण उन्होंने प्रचार वाहन से प्रचार नहीं किया है। ऐसे में उनका दावा है कि कोई भी व्यक्ति उनके किसी समर्थक या पार्टी के पदाधिकारी के साथ प्रचार वाहन की फोटो नहीं दिखा सकता, क्योंकि प्रचार हुआ ही नहीं है। उन्होंने कहा है कि जांच के बाद मामला स्पष्ट हो जाएगा।

फिल्म रानी बेटी राज करेगी टीवी पर जमकर बटोर रही है टीआरपी मुख्य भूमिका निभाने वाली संजना पांडेय की अभिनय की जमकर हो रही है तारीफ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अक्सर देखा गया है कि फिल्में अभिनेता के नाम से चलती है, चाहे वो बॉलीवुड, भोजपुरी हो या अन्य इंडस्ट्री। लेकिन हाल के दिनों में इस सोच में बदलाव आया है और अभिनेत्रियों ने भी अपने दम पर सिनेमा को चलाया है। ऐसे में भोजपुरी अभिनेत्री संजना पांडेय का मानना है कि फिल्म स्टार कास्ट के साथ उसके सब्जेक्ट पर ज्यादा डिपेंड करता है। अगर सब्जेक्ट में दम हो तो अभिनेत्री भी फिल्में चला सकती है। संजना पांडेय ने कहा कि फिल्म "प्रीत के दामन" के बाद एक बार फिर से हाल ही मे प्रदर्शीत फिल्म 'रानी बेटी राज करेगी' दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही है। लगातार 3 हफ्ते से यह फिल्म जबरदस्त टीआरपी टेलीविजन पर लेकर आ रही है। लोग इस फिल्म को बेहद पसंद कर रहे हैं और इसके प्रसारण का डिमांड लगातार बना हुआ है, जो बताता है

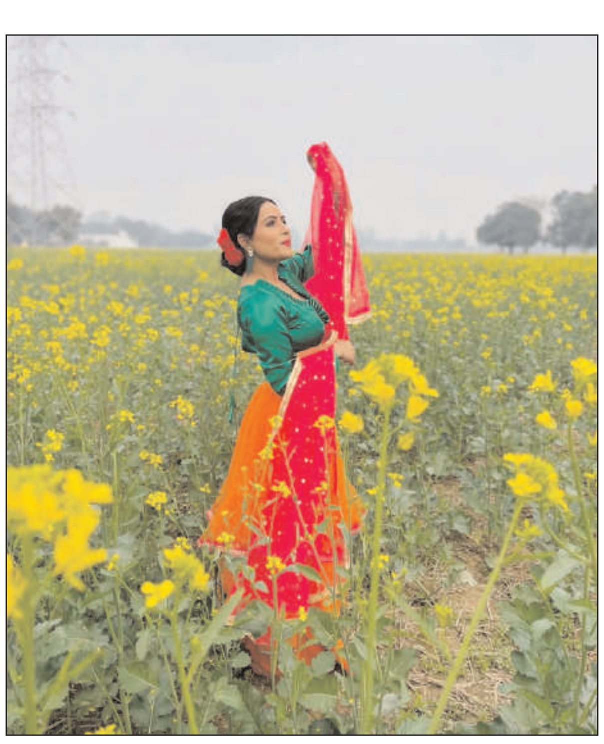

कि कथाप्रधान फिल्में दर्शको को बेहद पसंद आती हैं। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में काफी कुछ बदल गया। अब दर्शक अब कथाप्रधान फिल्मों को पसंद कर रहे हैं। मेरा मानना है कि फिल्में अभिनेत्री भी चला सकती हैं, अगर उस फिल्म की कहानी मजबूत हो। अभिनेत्रियां किसी से कम नहीं, लेकिन अक्सर फिल्म की कहानी मेल कास्ट को ध्यान में रखकर लिखा जाता है, जिससे ये लगता है कि फिल्म वही चला रहे हैं। लेकिन सही मायने में अगर फीमेल कास्ट बेस्ड मजबूत कहानी हो तो दर्शक उसे भी पसंद करती हैं। यह मेरा मानना है और यह मेरी फिल्मों के अनुभव से मैं बता रहा हूं। संजना पांडे के निजी प्रचारक संजय भूषण पटियाला ने बताया की संजना आज - कल उत्तर प्रदेश में गायक गुंजन सिंह के साथ भोजपुरी फिल्म "कुंवारी कन्या" की शूटिंग कर रही है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती के अवसर पर सपाइयों ने की गोष्ठी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 23 जनवरी को महान देशभक्त, क्रान्तिकारी एवं स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानी डॉक्टर सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में जिला अध्यक्ष रामधारी यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय समता भवन पर विचार गोष्ठी एवं माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित हुआ। गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व पार्टी के सभी नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए देश की आजादी की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष रामधारी यादव ने डॉक्टर सुभाष चंद्र बोस जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. सुभाष चंद्र बोस महान देशभक्त थे, उनमें देशभक्ति का जज्बा कूट कूट कर भरा था। डॉ. सुभाष चंद्र बोस ने भारत के लिए पूर्ण स्वराज का सपना देखा था। भारत को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए आंदोलन के दौरान उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। पूर्व सांसद जगदीश कुशवाहा जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई को तेज करने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन किया। उन्होंने भारतीयों पर अंग्रेजों के द्वारा किये जा रहे जुल्म और ज्यादती का पुरजोर विरोध किया। उन्होंने ही तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा और जय हिंद का नारा दिया। वह क्रांतिकारी विचारों के व्यक्ति थे। उनके अन्दर असीम साहस, अनूठे शौर्य और अनूठी संकल्प शक्ति का अनन्त प्रवाह विद्यमान था। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व मंत्री जै किशन साहू, अशोक कुमार बिन्द, आत्मा यादव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, कमलेश यादव, दिनेश यादव, विभा पाल, राकेश यादव, रामाशीष यादव, संतोष यादव, सुड्डू यादव, नन्हें, आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

डीएम व एसपी ने परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण

प्रखर जौनपुर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा व पुलिस अधीक्षक अजय साहनी द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा- 2022 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु परीक्षा केंद्र मुक्तेश्वर महाविद्यालय, मोहम्मद हसन पी.जी कॉलेज एवं मां दुर्गा जी विद्यालय , सेंट जॉन स्कूल सिद्धीकपुर सहित विभिन्न केंद्रों का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और सीसीटीवी कैमरे को चेक करते हुए परीक्षा कक्ष की स्थिति देखी और ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगणों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए, ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए पारदर्शिता पूर्ण और निष्पक्ष परीक्षा सम्पन्न कराई जाए। जिलाधिकारी महोदय द्वारा संबंधित कर्मचारियो/अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उचित सामाजिक दूरी, मास्क का प्रयोग सुनिश्चित कराएं और परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

साली के साथ जा रहे जीजा की मनबढ़ों ने की पिटाई

प्रखर जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के बेलाव पुल के समीप सखोई गांव के पास शादी के लिए साली को दिखवाने ले जा रहे युवक की दो युवकों ने जमकर पिटाई कर दी। केराकत बाजार के समीप के निवासी के रामचंद्र पाल अपनी पत्नी तथा साली के साथ लेकर बाइक से जौनपुर की तरफ आ रहे थे। वह अपनी साली की शादी के लिए लड़के वालों को दिखाने शहर के पास किसी मंदिर पर जा रहे थे। वहां लड़के के परिवार के लोग आ चुके थे। रामचंद्र उक्त गांव के पास जब पहुंचे थे तभी पीछे से एक बाइक पर दो युवक आए। उन लोगों ने रामचंद्र की बाइक को रुकने का इशारा किया। रामचंद्र और उसके साथ कि दूसरी बाइक भी रुक गई। उस बाइक पर सवार एक युवक ने कहा कि तुम्हारी साली मेरी प्रेमिका है। हम एक-दूसरे से शादी करेंगे। इस बात पर जब उन लोगों ने विरोध किया, तभी दोनों ने पिटाई शुरू कर दी। मारपीट होता देख कर आने जाने वाले रुक गए। मामला गंभीर होता देख मनबढ़ युवक भाग निकले।

बूंदाबांदी ने बढ़ाई संकट, मौसम ने बदला मिजाज

प्रखर कछवारोड वाराणसी। शीतलहर व कड़ाके की ठंड से लोग बेहाल थे बूंदाबांदी से किसानों की चिता बढ़ गई। स्थानीय क्षेत्र में दलहनी फसलों में माहो कीट का खतरा बढ़ गया है। उधर दिन भर सूर्यदेव के दर्शन न होने से लोगों को आखिर में अलाव से चिपके रहे। शीतलहरी व हल्की बारिश से कामकाज पर भी असर पड़ा बाजार में पसरा रहा सन्नाटा । न्यूनतम तापमान दस व अधिकतम 19 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह-शाम कोहरे का प्रकोप बना हुआ है वहीं दिन-रात शीतलहरी कहर बरपा रही है। ठंड व गलन के चलते सुबह उठने वाले लोग अपने काम में लगने के बजाय कम्बल से बाहर निकलने का नाम ही नही ले रहे और अलाव से चिपककर रह जा रहे हैं। इससे जरूरी कार्य ठप पड़ गया है। विशेषकर रोज कमाने खाने वाले गरीब परिवारों, मजदूर, बुनकरों आदि के सामने काम को लेकर संकट खड़ा हो गया है।

प्रदेश के 80000 हजार कोटेदारो के हित की जो बात करेगा वही 2022 में उत्तर प्रदेश में राज करेगा- प्रदेश अध्यक्ष गिरीश तिवारी

प्रखर सोनभद । आज सोनभद घोरावल मे एक बैठक मे आल इण्डिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने कहा किप्रदेश के 80000हजार राशन डीलर इस समय बहुत पीडित है।मौजूदा सरकार कोटेदारो को भरोषा दिलाकर भी उनका कमीशन व मानदेय नही बढा।इसको लेकर प्रदेश के कोटेदार काफी आक्रोश मे है।प्रदेश के हर विधान सभा मे 250-300राशन डीलर रहते है।और जितना आम जनता से कोटेदारो सम्पर्क मे रहते है।उतना कोई नही रहता है।ऐसा कोई राशन डीलर नही है।जो 100-200वोट पर अपना अच्छा खासा प्रभाव रखता है।इसलिए सभी राजनितिक पाटीयो जो भी कोटेदारो के हित की बात करेगा।वही इसबार उत्तर प्रदेश के 2022 मे शासन करेगा।अब बहुत हो चुका कोटेदारो को अपने इशारे पर चलाने का राज खत्म हुआ।पूरे प्रदेश के कोटेदार इससमय पूरी तरह लामबन्द है।हमलोगो की माग अपने घोषणापत्र मे शामिल करे।उसी के साथ हमलोग रहेगे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं